एजेंसी देना हैं

दैनिक जनसेवा समाचार

की मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में सभी जिलों एवं तहसील में एजेंसी देना हैं इच्छुक व्यक्ति शीघ्र संपर्क करे

दैनिक
जनसेवा समाचार

MPHIN/2013/53952

web:www.jansewasamachar.com

आवश्यक्ता हैं

दैनिक जनसेवा समाचार

को मेहनती और शिक्षित युवकों की जो आवश्यकता हैं जो विज्ञापन लाने का कार्य कर सके।

वर्ष-21 | अंक-78 | प्रातःकालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, बुधवार 1 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपये

ओडीओपी उत्पादों के क्षेत्र में आगे बढ़ने उ.प्र. और म.प्र. के बीच हुआ एमओयू

एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन भविष्य की संभावनाओं को प्रदान करेगा मजबूत आधारः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि काशी विश्वनाथ धाम दुनिया के सात पवित्र स्थानों में शामिल है, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का कर्मक्षेत्र भी है। उनके नेतृत्व में देश निरंतर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत सशक्त राष्ट्र बनकर उभरा है, जो स्थिरता, संभावनाओं और भरोसे का प्रतीक है। उनके नेतृत्व में हम विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। वाराणसी की तरह उज्जैन भी धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से विशेष महत्व रखता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा दोनों ही शहरों में धार्मिक पर्यटन की बड़ी संभावनाओं को देखते हुए विकास कार्यों की शुरुआत की गई है। दोनों राज्यों के बीच भौगोलिक रिश्ते होने के साथ सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक संबंध रहे हैं। उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश साझा विरासत के साथ आगे बढ़ रहे हैं। इस क्रम में आज आयोजित एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन भविष्य की संभावनाओं को आधार प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को बनारस में एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे।

केन्द्रीय मंत्री शाह के संकल्प से देश ने किया लाल सलाम को आखिरी सलाम

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के संकल्प से देश ने लाल सलाम को आखिरी सलाम किया है। नक्सलवाद लोकतंत्र की स्थापना के लिए बड़ी चुनौती था। मध्यप्रदेश अब नक्सल मुक्त हो चुका है। इससे प्रदेश के विकास और औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार होगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में सुशासन के नये प्रतिमान स्थापित किए है। उत्तर प्रदेश के अधिकारियों ने भी कानून-व्यवस्था के साथ विकास की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया है।

केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना दोनों राज्यों के लिए महत्वपूर्ण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश अपनी नीति आधारित पारदर्शिता, उद्योगों के लिए उपलब्ध विशाल भूमि बैंक, विश्वसनीय बिजली आपूर्ति, बेहतर कनेक्टिविटी और निवेशक हितैषी वातावरण के साथ नए अवसरों का केन्द्र बन रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के कार्यों की शुरुआत हुई है। इसका लाभ मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड और उत्तर प्रदेश के जिलों को भी मिलेगा। यह परियोजना सिंचाई के साथ पेयजल सुविधा भी उपलब्ध कराएगी।

मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास के लिए हैं अनंत निवेश संभावनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार उद्योग और निवेश गतिविधियों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आगे बढ़ रही है। मध्यप्रदेश वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मनाने के बाद वर्तमान वर्ष 2026 में कृषि पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़कर 55 लाख हैक्टेयर हो गया है। राज्य में औद्योगिक विकास के लिए अनंत निवेश संभावनाएं हैं। प्रदेश से 70 हजार करोड़ से अधिक का निर्यात हो रहा है। प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़कर 40 हो गई है। राज्य सरकार अस्पताल खोलने के लिए 1 रुपए लीज पर 30 एकड़ जमीन उपलब्ध करा रही है।

बिहार- नालंदा के मंदिर में भगदड़, 9 की मौत

नालंदा। बिहार में नालंदा जिले में मंगलवार सुबह शीतला माता मंदिर में भगदड़ मच गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। 8 महिलाओं की भीड़ में दबने से मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक पुरुष ने अस्पताल में दम तोड़ा। चैत्र महीने के आखिरी मंगलवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर में पहुंचे थे। वहां मेला भी लगा था। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। दर्शन करने की जल्दी में धक्का-मुक्की मच गई। अफरातफरी के बीच कई लोग भीड़ में दब गए। बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए हैं। हादसे के बाद मंदिर और मेला को बंद करवा दिया है। आज नालंदा यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति शामिल हुईं। उनकी सुरक्षा में 8 जिलों के 2500 जवानों को लगाया गया था, जबकि मंदिर में जुटी 25 हजार की भीड़ के लिए एक भी पुलिस वाले की तैनाती नहीं थी। हादसे के बाद पटना कमिश्नर को बिहार शरीफ भेजा गया है। सीएम ने मुख्य सचिव को जांच के निर्देश दिए हैं।

दीपनगर थाने के एसएचओ राजमणि को सस्पेंड कर दिया गया है। सरकार ने मृतकों के आश्रितों को 6 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की है। वही केंद्र सरकार ने 2 लाख के मुआवजे की घोषणा की है। **हादसे से जुड़ी बड़ी बातें** - नालंदा पहुंचे छ्वत्रक्क विनय कुमार ने कहा कि मंदिर परिसर में बहुत कमियां हैं। निश्चित तौर पर यहां पुलिस की टीम होनी चाहिए थी। स्॥ह्र को संस्पेंड किया गया है। चैत्र महीने के आखिरी मंगलवार के चलते पटना और आसपास के इलाकों से भी दर्शन के लिए पहुंचे थे। इस वजह भीड़ बहुत बढ़ गई।

गुजरात में मोदी बोले- कांग्रेस अफवाह फैला रही

पेट्रोल पंपों पर भीड़ जुटाकर व्यवस्था बिगाड़ने की साजिश

अहमदाबाद। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुजरात के वाव-थराड में 20 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ऊर्जा जरूरतों की दिक्कत पूरी दुनिया में बढ़ गई है। ऐसे संकट में भी भारत ने हालात को नियंत्रण में बनाए रखा है। मोदी ने कहा कि मुश्किल समय में भी कांग्रेस जनता को भड़काने और अफवाह फैलाने में लगी है। उनका आरोप है कि कांग्रेस सियासी लाभ के लिए हालात बिगाड़ने और पेट्रोल पंपों पर भीड़ जुटाकर अव्यवस्था फैलाने की कोशिश कर रही है। इससे पहले उन्होंने साणंद में केयन्स सेमीकॉन के आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली टेस्ट का और गांधीनगर में सम्राट सम्प्रति म्यूजियम का उद्घाटन किया। यहां पीएम ने कहा, 'हमने कोरोना के समय ही तय कर लिया था कि भारत सेमीकंडक्टर सेक्टर का नया हब बनेगा।'

देश में स्थिति कंट्रोल में है

- पीएम मोदी उद्घाटन के बाद प्लांट देखने पहुंचे। इंजीनियर्स से बातचीत की। आज से केयन्स सेमीकंडक्टर प्लांट में प्रोफेशनल प्रोडक्शन शुरू हो गया। पहला प्लांट भी फरवरी 2026 में साणंद में ही शुरू हुआ था।
- इस प्लांट में एडवांस्ड इंटेलिजेंट पावर मॉड्यूल (आईपीएमएस) बनाए जाएंगे, जिसका इस्तेमाल ऑटोमोबाइल और इंडस्ट्रियल डिवाइस में किया जाता है।
- हर मॉड्यूल में 17 चिप्स होंगे और इन्हें कैलिफोर्निया की कंपनी अल्फा और ओमेगा सेमीकंडक्टर को सप्लाई किया जाएगा।
- प्लांट के सभी फेज पूरे होने के बाद इसकी प्रोडक्शन कैपेसिटी प्रतिदिन 6.33 मिलियन यूनिट बनाने की होगी।
- यह माइक्रोन टेक्नोलॉजी के बाद देश की दूसरी सेमीकंडक्टर यूनिट होगी, जो प्रोडक्शन शुरू करेगी।

राष्ट्र की सुरक्षा से जुड़ा डीसा एयरबेस प्रोजेक्ट भी सालों तक फाइलों में दबा रहाः मोदी

आज मेरा मन एक और बात से प्रसन्न है। जब मैं यहां आया तो पहली बार मेरा विमान सीधे डीसा एयरबेस पर लैंड हुआ। डीसा का एयरबेस अंतर्राष्ट्रीय सीमा से केवल 130 किमी दूरी पर है। आप समझ सकते हैं कि ये देश की सुरक्षा के लिए भी कितना अहम है। लेकिन डीसा एयरबेस का काम आज से प्रारंभ नहीं हुआ। जब मैं मुख्यमंत्री था तब से मैंने जमीनें एक्वायर की, और हम चाहते थे कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भारत की पश्चिम सीमा की सुरक्षा के लिए ये डीसा अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। लेकिन पता नहीं, दिल्ली में उस समय जो लोग राज करते थे, उन्हें गुजरात के प्रति क्या नफरत थी। राष्ट्र की सुरक्षा का ये प्रोजेक्ट भी सालों तक फाइलों में दबा रहा। आपने जब मुझे दिल्ली भेजा तो मैंने उन फाइलों को बाहर निकाला, और आज उसका परिणाम है कि एयरफोर्स का एक बहुत बड़ा बेस अब डीसा से जुड़ गया है।

ट्रम्प बोले- अमेरिका किसी देश की मदद नहीं करेगा

हमसे तेल खरीदो, नहीं तो हिम्मत दिखाओ और होर्मुज जाकर ले लो

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को कहा कि अब अमेरिका किसी देश की मदद नहीं करेगा। देशों को खुद ही अपने हालात संभालने होंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ब्रिटेन जैसे देश जो होर्मुज स्ट्रेट से फ्यूल नहीं ले पा रहे हैं, उन्हें अमेरिका से तेल खरीदना चाहिए क्योंकि अमेरिका के पास इसकी कोई कमी नहीं है। ट्रम्प ने कहा कि अगर देश चाहें, तो हिम्मत दिखाएं और खुद होर्मुज स्ट्रेट जाकर तेल ले लें। अमेरिका उनकी मदद के लिए नहीं आएगा, जैसे वे अमेरिका की मदद के लिए नहीं आए। अपने बयान में उन्होंने यह भी कहा कि ईरान काफी हद तक कमजोर हो चुका है और सबसे मुश्किल काम पहले ही पूरा हो गया है। अब बाकी देश खुद जाकर अपना तेल ले सकते हैं।

अंगोला से एलपीजी खरीदने की तैयारी में भारतीय कंपनियां

नई दिल्ली। ईरान जंग की वजह से भारत में आई गैस की कमी से निपटने के लिए सरकारी तेल और गैस कंपनियां अब नए देशों से रसोई गैस (एलपीजी) खरीदने का ऑप्शन तलाश रही है। इसी वजह से इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और गेल जैसी कंपनियां अफ्रीकी देश अंगोला की सरकारी कंपनी सोनानगोल से एलपीजी खरीदने पर बातचीत कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये कंपनियां सोनानगोल के साथ लंबे समय का समझौता करने पर विचार कर रही हैं। हालांकि, बातचीत अभी शुरुआती दौर में है और सरकार स्तर पर भी चर्चा चल रही है। दरअसल, भारत की 92प्रतिशत एलपीजी खाड़ी देशों से आती है। भारत सरकार इस निर्भरता घटाना चाहती है। ऐसे में अगर अंगोला से करार हो जाता है तो जहाज अटलांटिक और अरब सागर से होते हुए सीधे भारत पहुंचेंगे। उन्हें होर्मुज स्ट्रेट से नहीं गुजरना होगा।

भारत समेत दुनियाभर में इंटरनेट ठप होने का खतरा

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के चलते स्ट्रेट ऑफ होर्मुज प्रभावित होने से दुनियाभर में एनर्जी क्राइसिस के बाद अब इंटरनेट ठप होने का खतरा है। इसकी वजह यह है कि होर्मुज रूट से न केवल दुनिया का 20प्र कच्चा तेल और 25प्र एलएन गुजरती है, बल्कि इस रास्ते के नीचे इंटरनेट केबल्स भी बिछीं हैं।

आईटी रूल बदलेंगे- निर्देश नहीं माने तो सेफ हार्बर खत्म

अब हर कंटेंट के लिए सोशल मीडिया कंपनियां ही जिम्मेदार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आईटी नियमन- 2021 में बदलाव का नया मसौदा जारी कर दिया है। इससे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स सरकारी निर्देशों की अनदेखी नहीं कर सकेंगे। उन्हें निर्देश, गाइडलाइन, एडवाइजरी माननी ही होगी। यदि वो ऐसा नहीं करते हैं तो संबंधित डिजिटल मीडिया कंपनियां सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराई जाएंगी। इससे इन कंपनियों को सेफ हार्बर के तहत मिलने वाली कानूनी ढाल खत्म कर दी जाएगी। आईटी नियमों में सबसे अहम बदलाव यह है कि प्लेटफॉर्म अपने यूजर्स द्वारा पोस्ट किए गए हर कंटेंट के लिए खुद जिम्मेदार होंगे। फिलहाल 14 अप्रैल तक सरकार ने इस मसौदे पर सार्वजनिक सुझाव, आपत्तियां मांगी हैं।

डेटा डिलीट नहीं कर सकेंगे

- ✕ नए नियमों के मुताबिक, यदि किसी अन्य कानून के तहत डेटा सुरक्षित रखना जरूरी है तो प्लेटफॉर्म उसे डिलीट नहीं कर सकेंगे। वित्त, टैक्स या जांच से जुड़े मामलों को सुरक्षित रखना होगा।
- ✕ अभी डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड सिर्फ न्यूज पब्लिशर्स पर लागू होता था, लेकिन सोशल मीडिया पर न्यूज या करंट अफेयर्स पोस्ट करने वाले यूजर भी इसके दायरे में होंगे।
- ✕ सरकार किसी भी कंटेंट से जुड़े मामले को सीधे समीक्षा कमेटी के पास भेज सकती है। इसके लिए किसी की शिकायत का इंतजार करना जरूरी नहीं होगा।

1 अप्रैल से बदलेंगे 10 नियम

टोल प्लाजा पर आज से नगद भुगतान नहीं होगा

नई दिल्ली। 1 अप्रैल से देश के सभी टोल प्लाजा पर नगद भुगतान बंद हो जाएगा। वाहन चालक सिर्फ फास्टैग या यूपीआई पेमेंट के जरिए ही टोल टैक्स चुका सकेंगे। इसके अलावा, आज रात 12 बजे के बाद देश में टैक्स और बैंकिंग से जुड़े 3 बड़े कामों की डेडलाइन खत्म हो रही है। कल से टैक्स, रेलवे और बाजार से जुड़े 10 नियम भी बदल जाएंगे। पब्लिक प्रोविडेंट फंड, नेशनल पेंशन स्कीम या सुकन्या समृद्धि योजना को चालू रखने के लिए हर साल रू250 से रू500 तक न्यूनतम राशि जमा करना अनिवार्य है।

वीडियो बनाया

शादीशुदा महिला से बीच सड़क गैंगरेप की कोशिश

नालंदा। बिहार के नालंदा में एक शादीशुदा महिला के साथ सरेआम गैंगरेप की कोशिश की गई। बीच सड़क कुछ बदमाशों ने महिला को गलत ढंग से पकड़ लिया। रेप की कोशिश का बदमाशों ने वीडियो भी बनाया। महिला ने जब थाने में इसकी शिकायत की तो आरोपियों ने गंदा वीडियो वायरल कर दिया। मामला सीएम नीतीश के गृह जिले नालंदा के नूरसराय थाना इलाके का है। पीड़िता ने थाने में शिकायत की है। पुलिस ने 2 आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। महिला शादीशुदा है। उसके 2 बच्चे हैं। उसका पति रोजगार के सिलसिले में महाराष्ट्र के नासिक में रहता है।

मुंबई-4 साल के बच्चे को उठाकर जमीन पर पटका

नागपुर। महाराष्ट्र के मुंबई से सटे वसई इलाके में एक व्यक्ति ने मामूली विवाद का गुस्सा एक 4 साल के बच्चे पर उतार दिया। आरोपी ने बच्चे को ऑटो-रिक्शा से बाहर खींचकर सड़क पर पटक दिया और उसका सिर लोहे की रॉड पर भी मारा। पुलिस के मुताबिक यह घटना वसई की एक हाउसिंग सोसायटी में हुई। पूरी घटना सोसायटी में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई, जिसका वीडियो मंगलवार को सामने आया है। बताया जा रहा है कि कुछ समय पहले उसका बच्चे के पिता से किसी मामूली बात को लेकर विवाद हुआ था।

घरों तक जंग की आंच, दूध-किराना-इलाज महंगे होंगे

रोजमर्रा के सामान के दाम बढ़ाने की तैयारी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने कंपनियों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। कच्चे तेल और अन्य कच्चे माल की कीमतें बढ़ने से लागत बढ़ रही है और कंपनियां दाम बढ़ाने पर विचार कर रही हैं। इससे बोतलबंद पानी, नमक, तेल जैसी रोजमर्रा की चीजें, एसी, फ्रिज जैसे कंज्यूमर ड्यूरेबल से लेकर नॉन-सर्जिकल मेडिकल आइटम के दाम बढ़ सकते हैं। वजह यह है कि इस जंग ने प्लास्टिक उद्योग की रीढ़ तोड़ दी है। बीते 30 दिनों में कच्चे माल के दाम 50-70प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। सबसे ज्यादा उपयोग में आने वाले प्लास्टिक दाने एलडीपीई के दाम 110 रु/ किलो से 180 रुपए तक पहुंच गए हैं।

कॉमर्शियल एलपीजी की कमी से हजारों प्लास्टिक यूनिट बंद

असर 50 हजार प्लास्टिक फैक्ट्रियों पर पड़ा है। कॉमर्शियल एलपीजी की कमी झेल रहे अधिकांश यूनिट्स ने उत्पादन बंद कर दिया या घटा दिया। करीब 20 हजार कारखाने बंद होने का अनुमान है। हैदराबाद के एक ईपीई निर्माता ने बताया, 'हम गैस के बिना उत्पादन नहीं कर सकते। 80 रुपए/किलो तो छोड़िए 150 में भी नहीं मिल रही।' गुजरात के राजकोट में 40 से ज्यादा प्लांट बंद हो चुके हैं। मध्यप्रदेश, रायपुर और हैदराबाद में भी कई प्लांट बंद हैं। प्लास्टिक पैकेजिंग निर्माता लंबे समय तक मार्जिन का दबाव नहीं झेल पा रहे। कई यूनिट्स ने पुराने ऑर्डर रद्द कर दिए हैं। एलपीजी सिलेंडर की किल्लत और प्रवासी घरेलू कामगारों के लौटने के कारण शहरी घरों में खाना पकाने का तरीका बदल रहा है। क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर रेडी-टु-ईट खाद्य पदार्थों की मांग तेजी से बढ़ रही है।

मायके से मिली संपत्ति पर पति का अधिकार नहीं : आंध्र कोर्ट

अमरावती। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी हिंदू महिला को माता-पिता से विरासत में संपत्ति मिली है और उसकी मौत बिना संतान, वसीयत किए बिना ही हो जाती है, तो उस संपत्ति पर पति-ससुराल का कानूनी हक नहीं होगा। ऐसी संपत्ति महिला के पिता के कानूनी वारिसों को जाएगी। जस्टिस तारलाडा राजशेखर राव ने कहा कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 15(2)(ए) इस बारे में साफ है।मामला एक परिवार की संपत्ति से जुड़ा है। 2002 में एक महिला ने अपनी संपत्ति पहली नातिन को गिफ्ट कर दी थी। 2005 में उस नातिन की बिना संतान मौत हो गई। इसके बाद नानी ने पुराना गिफ्ट रद्द कर संपत्ति दूसरी नातिन के नाम वसीयत कर दी। 2012 में दादी की मौत के बाद दूसरी नातिन ने राजस्व रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने का आवेदन किया। राजस्व अधिकारी (आरडीओ) ने दूसरी नातिन के पक्ष में आदेश दिया, लेकिन मृत नातिन के पति ने इसे चुनौती दी।

कानपुर यूनिवर्सिटी के क्लासरूम में गैंगरेप की कोशिश

कानपुर। कानपुर के छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (कानपुर यूनिवर्सिटी) की छात्रा से क्लासरूम में गैंगरेप की कोशिश का मामला सामने आया है। छात्रा का कहना है कि तीन लड़कों ने मेरे साथ जबरदस्ती क्लासरूम में छेड़छाड़ की। फिर गैंगरेप की कोशिश की। छात्रा ने कहा- आरोपियों की हरकत की वजह से मैं डिप्रेशन में हूं। छात्रा ने कुलपति और कुलसचिव से मामले की शिकायत करते हुए थाने में तहरीर दी है। फिलहाल विश्वविद्यालय की इंटरनल कमेटी ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

भक्त के संकट दूर करते है श्री हनुमान

मण्डला (नि.प्र.)

बम्हनीबंजर के बस स्टेण्ड के पास स्थित हनुमान जी मंदिर परिसर में हनुमंत कथा का आयोजन किया जा रहा है आयोजन की शुरूआत 28 मार्च से हुई है जो 1 अप्रैल तक चलेगी वहीं 2 अप्रैल को यहां हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम के साथ मनाया जाएगा इस अवसर पर पूजन हवन एवं भण्डारा का आयोजन किया जाएगा। सोमवार को तीसरे दिन की कथावाचक पं. योगेश कुमार शुक्ला ने बताया कि अहंकार इंसान को पत्थर बना देता है जबकि विनम्रता उस पत्थर को भी मुस्कुराना सिखा देती है। कथा व्यास आचार्य योगेश शुक्ला ने हनुमान जी की गुरु भक्ति के प्रसंगों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सेवा ही परम धर्म है और हनुमान जी का संपूर्ण जीवन भगवान राम की सेवा को समर्पित रहा महाराज ने वर्तमान समय में मनुष्यों को हनुमान जी से निस्स्वार्थ सेवा की सीख लेने का आह्वान किया।

नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मनोनीत हुए धर्मेश तिवारी

मण्डला (नि.प्र.)

प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार चलाए जा रहे संगठन सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत जिला कांग्रेस कमेटी मंडला अध्यक्ष अशोक मर्सकोले की सहमति से महत्वपूर्ण संगठनात्मक नियुक्ति की गई है। इस क्रम में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा नैनपुर नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद पर धर्मेश तिवारी को नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति संगठन को सशक्त एवं सक्रिय बनाने तथा जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने के उद्देश्य से की गई है। धर्मेश तिवारी के नगर अध्यक्ष नियुक्त होने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों में हर्ष का वातावरण है और सभी ने विश्वास व्यक्त किया है कि उनके नेतृत्व में नैनपुर नगर में कांग्रेस संगठन नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा तथा जनसमस्याओं के निराकरण हेतु प्रभावी पहल की जाएगी। नव-नियुक्त नगर अध्यक्ष धर्मेश तिवारी को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा एवं सक्रियता के साथ कार्य करने की अपेक्षा वरिष्ठ कांग्रेसियो के द्वारा व्यक्त की गई है।

राज्यपाल दौरे को लेकर आदेश

मण्डला (नि.प्र.) आगामी 1 अप्रैल को प्रस्तावित राज्यपाल के दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा कार्य विभाजन आदेश जारी किया गया है जिसमें विभिन्न अधिकारियों और कर्मचारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं आदेश के अनुसार राज्यपाल का कार्यक्रम ग्राम कन्हारीकला तहसील बिछिया में आयोजित होना प्रस्तावित है। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए मंच व्यवस्था से लेकर पशु मेला और स्वास्थ्य शिविर तक की जिम्मेदारियां निर्धारित की गई हैं। मंच स्थल की संपूर्ण व्यवस्था की मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद मण्डला को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस प्रकार पशु मेला एवं स्वास्थ्य कैंप के लिए रंजीत गुप्ता क्षेत्र संयोजक तथा अनुप नामदेव पीओ आईसीडीएस, कपिल तिवारी मनरेगा सहायक कार्यक्रम अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

संबल योजना हितग्राहियों के राहत

मण्डला (नि.प्र.) मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के अंतर्गत 161 हितग्राहियों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। मुख्यमंत्री द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से कुल 3 करोड़ 32 लाख रुपये की राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में हस्तांतरित की गई। जिला श्रम पदाधिकारी कार्यालय मंडला द्वारा बताया गया कि यह राशि योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को राहत एवं सहायता स्वरूप प्रदान की गई है। इससे लाभार्थियों को आर्थिक संबल मिलेगा और उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायता होगी।

तेज गति से भाग रहे डम्फर ने बस को मारी टक्कर ड्रायवर की हुई मौंत, दर्जनों यात्री हुए घायल

मण्डला (नि.प्र.)

सोमवार का दिन हादसों का दिन बन कर रह गया जिले भर में अनेक छोटी मोटी दुर्घाटना की जानकारी सामने आई तो वहीं बड़ी दुर्घाटना होने से कई परिवारों में मातम देखा गया। जिले में एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही का कहर देखने को मिला जिसने पूरे इलाके को दहला दिया है घुघरी विकासखंड के उमरिया गांव में सोमवार की सुबह करीब 9:30 बजे एक भीषण सड़क हादसा हुआ जिसमें सवारियों से भरी बस और एक डंपर के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में लगभग 24 यात्री घायल हो गए हैं जिनमें कई की हालत गंभीर बनी हुई है प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार डंपर तेज रफ्तार में था और अचानक नियंत्रण खो बैठा जिसके चलते उसने सामने से आ रही बस को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। बस चालक को गंभीर चोटें आई और ईलाज के दौरान उसकी मौंत हो गई। हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालकर तत्काल मदद पहुंचाई गई। सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को घुघरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। गंभीर रूप से घायल लोगों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है जहां उनका इलाज जारी है डॉक्टरों के मुताबिक घायलों को सिर, हाथ-पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं कई मरीजों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है जिससे हादसे की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। इस घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि क्षेत्र में चल रहे सड़क निर्माण कार्यों के कारण भारी वाहनों खासकर डंपरों की आवाजाही तेजी से बढ़ी है, लेकिन उनकी गति और संचालन पर कोई नियंत्रण नहीं है।

पुलिया के गड्ढे में गिरी कार- जिले में निर्माणाधीन नेशनल हाईवे-543 एक बार फिर मौत का जाल साबित हुआ है। बीती रात मोहगांव थाना क्षेत्र के रैयगांव और इंद्रा ग्राम के बीच एक दर्दनाक हादसा हो गया जिसने निर्माण कार्य में बरती जा रही गंभीर लापरवाही को उजागर कर दिया है। सड़क के बीचों-बीच बनी रही पुलिया के लिए खोदे गए करीब 10 फीट गहरे गड्ढे में एक कार अचानक जा गिरी जिससे चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार यह गड्ढा पुलिया निर्माण के लिए खोदा गया था लेकिन हैरानी की बात यह है कि उसके आसपास किसी भी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई थी। न तो कोई बैरिकेटिंग न चेतावनी बोर्ड और न ही रेडियम इंडिकेटर लगाए गए थे। सबसे बड़ी लापरवाही यह रही कि मार्ग को डायवर्ट भी नहीं किया गया था जिससे रात के अंधेरे में यह गड्ढा किसी मौत के जाल से कम नहीं था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक अंधेरा होने के कारण कार चालक को सड़क के बीच बने इस खतरनाक गड्ढे का अंदाजा नहीं लग पाया और वाहन सीधे उसमें जा समाया।

पहले भी हो चुके हैं हादसे- इससे पहले जबलपुर मार्ग के कालपी से टिकरा टोला के बीच भी एक भीषण हादसा हुआ था जिसमें चार युवकों की दर्दनाक मौत हो गई थी। उस समय भी पुलिया के पास कोई सुरक्षा घेरा या चेतावनी संकेत नहीं लगाया गया था। बारिश के कारण पुलिया बह जाने के बाद भी जिम्मेदारों ने कोई सबक नहीं लिया। लगातार हो रहे हादसों और मौतों के बावजूद निर्माण एजेंसी और संबंधित अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि लोगों की जान की कीमत पर काम को जल्द पूरा करने की होड़ लगी हुई है जिसमें सुरक्षा मानकों को पूरी तरह दरकिनार कर दिया गया है।

लोगों में दिख रहा आक्रोश- घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि बार-बार हादसों के बावजूद न तो ठेकेदार पर कोई सख्त कार्रवाई की गई और न ही जिम्मेदार अधिकारियों ने मौके पर आकर हालात का जायजा लिया। लोगों का आरोप है कि प्रशासन और निर्माण एजेंसी कुंभकर्णी नींद में सो रहे हैं। ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही निर्माण स्थल पर पुख्ता सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए तो वे सड़क जाम कर उग्र प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

सुरक्षा मानकों की उड़ी धज्जियां- निर्माणाधीन हाईवे पर सुरक्षा मानकों का पालन न होना सबसे बड़ा खतरा बन गया है। नियमों के अनुसार जहां भी सड़क पर खुदाई या निर्माण कार्य होता है वहां स्पष्ट चेतावनी संकेत, बैरिकेटिंग और डायवर्जन की व्यवस्था अनिवार्य होती है। लेकिन एनएच-543 के कई हिस्सों में इन नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। रात के समय स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है क्योंकि बिना किसी लाइटिंग या रिफ्लेक्टर के ऐसे गड्ढों को देख पाना लगभग नामुमकिन होता है। यही वजह है कि लगातार वाहन चालक इन हादसों का शिकार हो रहे हैं।

प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल- लगातार हादसों और मौतों के बावजूद अब तक किसी भी जिम्मेदार अधिकारी या ठेकेदार के खिलाफ ठोस कार्रवाई न होना प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान खड़ा करता है। लोगों का कहना है कि यदि पहले ही सख्ती दिखाई जाती तो शायद आज यह हादसा नहीं होता। अब देखना यह होगा कि इस ताजा घटना के बाद प्रशासन कोई ठोस कदम उठाता है या फिर किसी और बड़ी अनहोनी का इंतजार किया जाएगा। एनएच-543 अब केवल एक निर्माणाधीन सड़क नहीं बल्कि लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण बन चुका है। हर नया हादसा प्रशासन को चेतावनी दे रहा है लेकिन यदि अब भी सुधार नहीं हुआ तो यह सड़क और कितनी जिंदगियां निगलेगी यह एक बड़ा सवाल बन चुका है।

लापरवाही से दर्जनों घरों के जले उपकरण, नहीं मिली राहत

मण्डला (नि.प्र.)

कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत राजीव कॉलोनी झंडा चौक में बिजली के वोल्टेज में आए अचानक उतार चढ़ाव ने जमकर तांडव मचा दिया। एक निर्माणाधीन मकान में काम के दौरान हुई गंभीर लापरवाही के कारण क्षेत्र के करीब दो दर्जन से अधिक घरों और दुकानों के कीमती इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर खाक हो गए। जानकारी अनुसार इस हादसे में रहवासियों को 10 लाख रुपए से अधिक की आर्थिक क्षति हुई है प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ग्राम देवदरा के राजीव कालोनी झंडा चौक के पास एक भवन में प्रथम मंजिल पर निर्माण कार्य चल रहा था। रविवार दोपहर मजदूर छत से सेंटिंग की पटिया नीचे फेंक रहे थे। इसी दौरान एक पटिया सीधे नीचे से गुजर रही मुख्य विद्युत तार पर जा गिरी। भारी पटिया गिरने से शॉर्ट सर्किट हुआ। जिसके कारण पहले लो वोल्टेज और चंद सेकंडों में ही अचानक वोल्टेज बेहद हाई वोल्टेज हो गया। स्थानीय निवासी कुछ समझ पाते उसके पहले ही दर्जनों घरों के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से एक के बाद एक आवाजें आने लगी और जल गए स्थानीय निवासी पंकज केशरवानी, अशोक सिंगरौले, शिव कुमार ने बताया कि इस अचानक आए बिजली के झटके को घरों में चालू हालत में रखे उपकरण बर्दाश्त नहीं कर पाए। अनिल यादव ने बताया कि पलक झपकते ही घरों और दुकानों में लगे पंखे, कूलर, टीवी, फ्रिज, लैपटॉप एसी और अन्य कीमती इलेक्ट्रॉनिक उपकरण धूं-धूं कर जल गए और घरों से धुआं निकलने लगा। इस हादसे से करीब 25 परिवार सीधे तौर पर प्रभावित हुए हैं जिनका लाखों का नुकसान हुआ है। हादसे के बाद बिजली विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर सुधार कार्य शुरू किया लेकिन लोगों के सामान की भारी क्षति हो चुकी थी। घटना के बाद जब पीड़ित रहवासियों ने निर्माणाधीन मकान के ठेकेदार से संपर्क करने का प्रयास किया तो वह नहीं मिला। मकान मालिक ने शुरुआत में इलेक्ट्रिशियन बुलाकर सर्वे कराने की बात कही लेकिन काफी देर तक कोई कार्रवाई न होने पर रहवासियों का आक्रोश फूट पड़ा। उत्तेजित भीड़ ने झंडा चौक मार्ग पर चक्काजाम कर दिया जिससे करीब आधे घंटे तक आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। माहौल गरमाता देख कोतवाली पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने आक्रोशित लोगों को समझाने का प्रयास किया और अंतत: मकान मालिक व प्रभावितों को थाने ले जाया गया कोतवाली थाने में पुलिस की मौजूदगी में हुई चर्चा के बाद मकान मालिक ने प्रभावित रहवासियों को आश्वस्त किया है कि वह इलेक्ट्रिशियन के माध्यम से सभी घरों का सर्वे कराएंगे और हुए नुकसान की भरपाई की दिशा में उचित कदम उठाएंगे। इस आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ राजीव कॉलोनी के रहवासियों ने बताया कि क्षेत्र में कई स्थानों पर विद्युत तारों का जाल बिछा हुआ है जो घरों के बेहद करीब से गुजरते हैं। इसके कारण हमेशा हादसों का अंदेशा बना रहता है।

कीर्तन में झूमते नाचते रहें श्याम प्रेमी

मण्डला (नि.प्र.)

श्री श्याम प्रेमी मित्र मंडल बिछिया एवं समस्त श्याम प्रेमियों द्वारा बिछिया में द्वितीय वार्षिक श्याम कीर्तन का आयोजन किया गया कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कीर्तन के दौरान भजनों की मधुर प्रस्तुतियों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया और श्रद्धालु भक्ति में झूम उठे कीर्तन में भजन गायकों रूपाली जंघेला, शेफाली शाह, सुनील सत्यार्थी एवं आकाश नागवंशी द्वारा जगन्नाथ चका नैन, करके इशारों बुलाए गए रे, खाटू बुलाता रहे। वीर हनुमाना अति बलवाना, इतिहास बना दूंगा, हाथों में निशान लेकर चला रे आदि सुमधुर भजनों की प्रस्तुतियां दी गई। जिन पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे वहीं दरबार सेवा मुरली अग्रवाल जबलपुर द्वारा अद्भुत एवं आकर्षक श्याम दरबार सजाया गया। जिसने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की आयोजन को सफल बनाने में मंडल के सभी सदस्यों एवं सहयोगकर्ताओं का विशेष योगदान रहा अंत में सभी श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया। यहां पर कार्यक्रम के दौरान इत्र वर्ष एवं पुष्पवर्षा पूरे पंडाल पर होती रही। श्याम प्रेमी महिला मंडल की महिलाओ द्वारा छप्पन भोग लगाया गया।

हनुमान जन्मोत्सव पर भव्य शोभायात्रा

मण्डला (नि.प्र.) 2 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। जिले भर में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल द्वारा विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। शाम 4 बजे नगर के हृदय स्थल उदय चौक से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी इस दौरान झांकी ढोल नगाड़ो की गूंजो के साथ भजन कीर्तन भी होगा। हनुमान जन्मोत्सव को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं सभी हनुमान मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। बता दें कि 2 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर जगह-जगह शोभायात्रा श्रीराम धुन, पूजन, हवन एवं भण्डारा का आयोजन किया जाएगा।

अस्पताल में अव्यवस्था जबावदारों ने झाड़ा पल्ला, कार्यकर्ताओं में आक्रोश

मण्डला (नि.प्र.)

आम आदमी पार्टी की बैठक निवास रेस्ट हाउस में सम्पन्न हुई यहां पर जिलाध्यक्ष पंकज सोनी के नेतृत्व बैठक आयोजित की गई जिसमें निवास ब्लॉक से नवनियुक्त पदाधिकारियों का पार्टी की टोपी एवं गमछा पहनाकर सम्मान किया गया और पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। बैठक में जिला अध्यक्ष पंकज सोनी ने वर्तमान में संपूर्ण जिले एवं प्रदेश में चल रहे संगठन निर्माण की

जानकारी से साथियों को अवगत कराया साथ ही आम आदमी पार्टी के जिले भर में चल रहे संपूर्ण कार्यक्रमों से अवगत कराया। कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि आम आदमी पार्टी के संगठन को बढ़ाने के लिए घर-घर संपर्क अभियान करके जनसामान्य की समस्याओं को ब्लॉक एवं जिले स्तर पर हल की पहल की जाएगी। बैठक के दौरान निवास ब्लॉक के लिए सर्वसहमति से सक्रिय कार्यकर्ता सुनील कुमार वरकड़े को निवास ब्लॉक अध्यक्ष, शैलेन्द्र कुमार कुलस्ते को ब्लॉक उपाध्यक्ष, बिहारी लाल मरावी को जिला सह सचिव गंगादास धार्वे को ब्लॉक अध्यक्ष ओबीसी विंग और बबलू दास धार्वे को निवास ब्लॉक सचिव के पद हेतु नाम प्रस्तावित किया गया। बैठक के पश्चात आम आदमी पार्टी मंडला का प्रथम संकल्प जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त कराने के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निवास का औचक निरीक्षण किया। जहां का नजारा अत्यंत भयावह और दर्दनाक था। बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं के बीच लाचार मरीज और उनके परिजन बदबू और गर्मी से परेशान थे। न तो अस्पताल में पीने की पानी की व्यवस्था थी और न मरीजों की दवाइयों तथा भोजन की। अस्पताल के हर टॉयलेट में मल का अंबार लगा था और सभी नलों की टोटियां टूटी हुई थीं। ड्रेसर और स्वीपर नदारद थे सिर्फ 1 ड्यूटी डॉक्टर, 1 नर्स और 1 वार्ड बॉय के भरोसे अस्पताल को छोड़कर बीएमओ साहब अपने सरकारी क्वार्टर में आराम फरमा रहे थे जो फोन लगाने पर भी 50 मीटर अस्पताल नहीं आए। इन सब अव्यवस्थाओं के बारे में जिला अध्यक्ष पंकज सोनी ने फोन पर सीएमएचओ को अवगत कराने पर भी जब बीएमओ अस्पताल नहीं आए तो समस्त कार्यकर्ताओं को उनको लेने उनके क्वार्टर तक जाना पड़ा। उनको अस्पताल लाने के पश्चात उन्हें भी अव्यवस्थाएं दिखाई गई जिसके बाद उन्होंने 4 दिनों में सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने का आश्वासन दिया।

मारपीट के मामले में समझौते पर 5 लाख के नकली नोट बना चर्चा का विषय

शिकायत के बाद 2 लाख 20 हजार का मिला चेक

मण्डला (नि.प्र.)

नगर के वार्ड क्रमांक 7 निवासी दो युवाओं के बीच गत एक वर्ष पूर्व आपस मे मार-पिटाई हो गई थी जिसकी शिकायत हरिजन थाना मंडला में दर्ज कराई गई । मामले के चलते 25 मार्च 2026 को मंडला में आपसी समझौता दोनों पक्ष के बीच हो गया। समझौते में आरोपी के द्वारा 5 लाख रूपए लिखा-पढ़ी कर नगद सम्बंधित युवक को दिया गया। कुछ समय पश्चात मंडला में ही उक्त नोटों की जांच करने पर युवक को पता चला की वह सारी नोट नकली है। जिसकी शिकायत उच्चाधिकारियों को की गई तत्पश्चात पुलिस को बुलवाया गया और नकली नोट देने बाले पर मामला बनाने बात कही गई । सम्बंधित व्यक्ति घबराहट में 2 लाख 20 हजार का चेक पुन: समझोता कर दिया गया। उक्त चेक विद्वान वकील के पास रखबाया गया और 30 मार्च को पुन: मंडला में दोनों पक्षों के बीच लेनदेन कर आसपासी समझौता के तहत 2 लाख 20 हजार रुपए का चेक दिया गया।

बड़ा सवाल- कहा से आई इतनी बड़ी तादाद में नकली नोट- लगातार पुलिस प्रशासन लोगों को हर एक मामले में सजगता बरतने की बात सार्वजनिक कार्यक्रमो मोबाइल, व्हाट्सएप, फेसबुक व अखबारों के माध्यम से करते आ रहा है। इसके बाद भी लोगों के होंसले इतने बुलंद हो गये है कि लाखों रूपये की नकली नोट लेकर नैनपुर से मंडला पहुंच कर लेनदेन कर रहे है। आखिर कहां से नकली नोट आई यह जांच का विषय है।

नगर में धूमधाम से मनाई गई महावीर जयंती

मण्डला (नि.प्र.)

सकल दिगम्बर व श्वेतांबर जैन समाज नैनपुर द्वारा जैन धर्म के 24 वे तीर्थंकर एवं वर्तमान जिन शासन-नायक भगवान महावीर के जन्म-कल्याणक महोत्सव का आयोजन बड़ी धूम-धाम से मनाया गया। महावीर जयंती पर सकल दिगम्बर व श्वेतांबर जैन समाज नैनपुर द्वारा प्रात: श्री-जी की शोभा यात्रा निकाली गई। जो स्थानीय जैन मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए वापस जैन मंदिर पहुंची । शोभा यात्रा में समाज के सभी वर्ग के पुरूषों, महिलाओं एवं बच्चों ने भाग लिया। इस दौरान श्रीजी की जयकारा, भजन एवं आरती से सम्पूर्ण वातावरण जैन धर्ममय हो गया। मंदिर जी में श्रीजी का सामूहिक जलाभिषेक एवं आरती का कार्यक्रम रखा गया तत्पश्चात दोपहर में समाज के युवा-वर्ग द्वारा वाहन रैली निकाली गई। साथ ही महावीर जयंती के उपलक्ष्य में जैन समाज द्वारा शासकीय व निजी अस्पताल पहुंच मरीजों को फल वितरण किया गया। रात्रि काल में संगीतमय भव्य महा-आरती, भजन-संध्या एवं सांस्कृतिक-कार्यक्रम रखा गया जिसमें सभी लोगों ने बढ.-चढ.कर हिस्सा लिया। उपरोक्त समस्त कार्यक्रमों को सानन्द सम्पन्न करवाने में समाज के वरिष्ठ जन सर्वश्री पूरनचंद जैन जैन रत्न का विशेष मार्गदर्शन रहा। सभी धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के सफल संचालन मे समाज व समिति के सभी सदस्यो का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

संक्षिप्त समाचार

वन विभाग ने जब्त की अवैध लकड़ी

करैरा। वन विभाग की बीट घसाराई अंतर्गत पौधरोपण क्षेत्र में अवैध कटाई की सूचना मिलने पर वन अमले ने सर्चिंग अभियान चलाया। इस दौरान अवैध रूप से काटी गई लकड़ी बरामद की गई। जानकारी के अनुसार अवैध कटाई का मामला संज्ञान में आने पर डीएफओ सुधांशु यादव ने दो दिन पूर्व ही क्षेत्र का दौरा कर संबंधित अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में करैरा के प्रशिक्षु एसडीओ सचिंद्र सिंह तोमर को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई। जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम ने नया अमोल निवासी जनवेद सिंह लोधी पुत्र रामचरण लोधी निवासी सिरसोद के खेत से लगभग 42 नग अवैध लकड़ी जब्त की।

सिर में कुल्हाड़ी मारकर की हत्या

श्योपुर। श्योपुर जिले के गसवानी थाना क्षेत्र के बड़ौदाकलां में कुल्हाड़ी मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फरियादी ऊषा पत्नी नरेश आदिवासी उम्र 42 साल निवासी ग्राम बड़ौदाकलां ने शिकयात दर्ज कराते हुए बताया कि रविवार की रात 9:10 बजे कल्ला आदिवासी के घर के सामने ग्राम बड़ौदाकलां में आरोपी अजय पुत्र कल्ला आदिवासी ने नरेश पुत्र नबलू आदिवासी उम्र 45 साल के सिर पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया। जिससे नरेश की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक की पत्नी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

घर जाने से रोकने पर वृद्ध पिता की मारपीट

श्योपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले वार्ड क्रमांक 17 में 61 वर्षीय वृद्ध की मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फरियादी जुगल किशोर पुत्र मांगीलाल मैहतर उम्र 61 साल निवासी वार्ड क्रमांक 17 कुम्हार मोहल्ला श्योपुर ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि गत दिवस शाम 7:30 बजे स्थान फरियादी के घर के बाहर आरोपी विनोद पुत्र जुगल किशोर और सुनीता ने फरियादी के साथ मारपीट कर दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

परिजनों ने बेटी को भगा कर ले जा रहे प्रेमी को पीट-पीटकर मार डाला

नगर संवाददाता, शिवपुरी

जिले के कोलारस कस्बे में अपनी प्रेमिका को घर से भगाकर ले जाने पहुंचे एक युवक की परिजनों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। सोमवार को सुबह करीब 10 बजे उसका शव गांव के पास नाले में पड़ा मिला। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रन्नौद थाना क्षेत्र के नेगमा गांव का रहने वाला 26 वर्षीय अर्जुन पाल का कोलारस की 20 वर्षीय युवती के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों के परिवारों को इसकी जानकारी थी लेकिन अलग-अलग समाज के होने के कारण लड़की के परिजन इस रिश्ते के खिलाफ थे और विवाह के लिए तैयार नहीं थे। बताया जा रहा है कि लड़की अपने प्रेमी अर्जुन से विवाह करना चाहती थी लेकिन परिवार ने उसका विवाह संबंध

होने वाली थी बेटी की गोद भराई

कहीं और तय कर दिया था। सोमवार को उसकी सगाई होने वाली थी। इस बात की जानकारी लड़की ने फोन पर अर्जुन को दी थी।

इसके बाद दोनों ने मिलकर घर से भागने की योजना बनाई ली। इसी योजना के तहत अर्जुन रविवार देर शाम कोलारस पहुंचा। उसने अपने रिश्तेदार कल्ला पाल से मदद मांगी जो कोलारस में एक फार्म हाउस पर रहकर खेती करता है। अर्जुन और कल्ला रविवार रात करीब एक बजे लड़की के घर के पास हाईवे किनारे पहुंच गए। लड़की को वहीं आना था ताकि दोनों वहां से भाग सकें लेकिन इस योजना की जानकारी लड़की के परिजनों को लग गई। लड़की के आने की जगह उसके परिजन मौके पर पहुंच गए और दोनों युवकों को पकड़ लिया। परिजनों ने कल्ला पाल को थप्पड़ मारे और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद कल्ला किसी तरह मौके से भाग निकला लेकिन अर्जुन को पकड़कर परिजन अपने घर ले गए।

बंधक बनाकर की मारपीट

बताया गया है कि घर ले जाकर अर्जुन को बंधक बना लिया गया और उसके साथ जमकर मारपीट की गई। लगातार पिटाई के चलते अर्जुन की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद परिजनों ने सबूत छिपाने के लिए अर्जुन के शव को खेत से करीब 100 मीटर दूर नाले में फेंक दिया। सोमवार को सुबह ग्रामीणों ने नाले में शव पड़ा देखा। जिसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पहचान की। बताया गया है कि सुबह लड़की का दादा खुद थाने पहुंचा और अर्जुन के साथ मारपीट की जानकारी दी। इस मामले में कल्ला पाल की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। कोलारस थाना प्रभारी गब्बर सिंह गुर्जर के अनुसार लड़की के पिता, दादा और तीन अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बिना किताब-कॉपी भी स्कूल आएंगे विद्यार्थी, रोकने पर होगी कार्रवाई

नगर संवाददाता, शिवपुरी

नए शिक्षण सत्र की शुरुआत 1 अप्रैल से होने जा रही है। ऐसे में जिन विद्यार्थियों के पास अभी तक पाठ्यपुस्तकें और नोटबुक उपलब्ध नहीं हैं, उन्हें स्कूल आने से नहीं रोका जाएगा। जिलाधीश रुचिका चौहान के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी हरिओम चतुर्वेदी ने इस संबंध में सभी शासकीय और अशासकीय विद्यालयों को आदेश जारी किए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि कई अभिभावक समय पर किताबें और कॉपियां नहीं खरीद पाते हैं, ऐसे में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो, यह सुनिश्चित करना स्कूलों की जिम्मेदारी है। यदि कोई विद्यार्थी बिना किताब-कॉपी के विद्यालय आता है तो उसे कक्षाओं में बैठने और अध्ययन करने की पूरी अनुमति दी जाएगी। साथ ही जिन विद्यालयों में स्वयं की पुस्तकें और नोटबुक चलती हैं, वहां प्रबंधन का दायित्व होगा कि जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराने में सहयोग करें। इसके अलावा विद्यालयों को निर्देश दिए गए हैं कि वे पुस्तक मेले के माध्यम से अपने निर्धारित विक्रेताओं से विद्यार्थियों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराएं। निर्देशों का उल्लंघन करने वाले प्राचार्यों और विद्यालय संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

घर में रखे बक्से का ताला तोड़कर चुराए जेवर

भिण्ड। देहात थाना क्षेत्र के जारी गांव में एक मकान में घुसे अज्ञात चोर ने बक्से का ताला तोड़कर उसमें रखे सोने-चांदी के जेवर सहित नकद रुपए चोरी कर लिए। फरियादी प्रमोद कुमार शर्मा ने देहात थाना पुलिस को बताया कि अज्ञात चोर ने उनके कमरे में रखे बक्से का लॉक तोड़कर जेवर सहित 8750 रुपए चोरी कर लिए। पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज किया है।

चाकू से पांच लोगों को घायल करने वाले आरोपी की खड़ी फसल पर चला बुलडोजर

नगर संवाददाता, शिवपुरी

कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत विगत 24 मार्च को घर में सो रहे परिवार पर चाकू से हमला करने वाले आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर सोमवार को सकल हिन्दू समाज द्वारा कड़ा विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान शहर का मुख्य बाजार बंद कराते हुए कोतवाली के सामने जमकर प्रदर्शन किया गया।

घटना को अंजाम देने वाले अपराधियों पर रासुका की कार्रवाई करने के साथ ही पीड़ित परिवार को उपचार के लिए आर्थिक मदद उपलब्ध कराने की मांग की गई। इस अवसर पर सकल हिन्दू समाज द्वारा एक ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम श्योपुर गगन सिंह मीणा को सौंपा गया। इस विरोध प्रदर्शन के बाद प्रशासन ने इस मामले को गंभीरता से लेकर आरोपी के खेत में खड़ी फसल पर बुलडोजर की कार्रवाई की है।

सोमवार को प्रशासन द्वारा आरोपी समीर मुसलमान के परिजनों की खड़ी फसल को नष्ट करने की कार्रवाई की गई है। तहसीलदार मनीषा मिश्रा ने बताया कि ग्राम पीपल्दी निवासी गफ्फार पुत्र अशरफ खा द्वारा दौलतपुरा में शासकीय भूमि सर्वे नंबर 177/102 के रकबा 0.418 हेक्टयर पर अतिक्रमण कर गेहूं की फसल बोई गई थी। उक्त भूमि पर जेसीबी चलाकर फसल नष्ट करते हुए भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करने की कार्रवाईकी गई। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार सहित नायब तहसीलदार टीएस लकड़ा, दर्शनलाल बौद्ध सहित राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग की टीम मौजूद रही।

यह था मामला: वार्ड क्रमांक 11 कलारना बस्ती श्योपुर निवासी बाबूलाल बैरवा उम्र 56 साल ने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया था कि 24 मार्च 2026 को रात्रि 11 बजे उसके परिवार के सभी लोग खाना खाकर सो रहे थे। फरियादी की पत्नी व लड़का घर के बाहर वाले कमरे में सो रहे थे। दोनों बेटियां ममता और अर्चना घर के भीतर वाले कमरे मे सो रही थीं। रात्रि 12:30 बजे चोरी की नीयत से घर की दीवार फांद कर समीर मुसलमान निवासी पीपल्दी थाना देहात व उनके दो अन्य साथी भीतर वाले कमरे में पहुंचे। कमरे से दोनों बेटियों के चिल्लाने की आवाज आई। घर का दरवाजा भीतर से बंद था। बड़ी लड़की ने गेट खोला तो आरोपी ने जान से मारने की नीयत से उस पर चाकू से हमला कर दिया। इस घटना में ममता, अर्चना, लोकेन्द्र, कांतिबाई और बाबूलाल बैरवा घायल हो गए थे। हालांकि परिवार के सभी लोगों ने घायल होने के बाद भी आरोपी को घर में पकड़े रखा और पुलिस को सूचित कर उसके हवाले कर दिया था।

ध्यान से होता है सकारात्मक ऊर्जा का संचारः आदर्श दीदी

नगर संवाददाता, शिवपुरी

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा नाका चंद्रवदनी क्षेत्र में सोमवार को 'खुशनुमा जीवन के लिए राजयोग ध्यान शिविर' का आयोजन किया गया। शिविर में सैकड़ों लोगों ने भाग लेकर आध्यात्मिक अनुभूति के साथ जीवन जीने की नई दिशा प्राप्त की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीके आदर्श दीदी ने कहा कि मनुष्य इस संसार में सुखद और सुंदर जीवन जीने के लिए आता है, लेकिन अक्सर दूसरों की कमियों पर ध्यान देकर अपनी ऊर्जा व्यर्थ कर देता है। उन्होंने कहा कि किसी की निंदा करने से न तो सामने वाले का भला होता है और न ही हमारा, बल्कि इससे मन अशांत होता है। यदि हम वास्तव में खुश रहना चाहते हैं, तो हमें दूसरों की अच्छाइयों को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ध्यान से हमारे भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। बीके प्रहलाद ने कहा कि आज हर व्यक्ति खुशी और शांति चाहता है, लेकिन फिर भी तनाव और चिंता से घिरा रहता है। इसका कारण है कि हम अपनी खुशी को बाहरी परिस्थितियों से जोड़ लेते हैं। उन्होंने बताया कि सच्ची खुशी वही है, जो हर परिस्थिति में बनी रहे। कार्यक्रम के दौरान बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। गीत, नृत्य और प्रेरणादायक प्रस्तुतियों के माध्यम से बच्चों ने सकारात्मक जीवन मूल्यों का सुंदर संदेश दिया। संचालन ज्योति दीदी ने किया।

साईं बाबा मंदिर पर भण्डारा 2 को: विकास नगर स्थित साईं बाबा भक्त मण्डल द्वारा 2 अप्रैल गुरुवार को भण्डारे का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर बाबा के मंदिर को आकर्षण विद्युत सजावट और फूल बंगले से सजाया जाएगा। भंडारा सत्यनारायण कथा उपरांत शाम 5 बजे से शुरू किया जाएगा जो कि देर रात तक चलेगा।

गो-गैस कंपनी के गैस सिलेंडरों का उपयोग कर रहे दुकानदार

10 व्यावसायिक और चार घरेलू गैस सिलेण्डर जब्त

नगर संवाददाता, शिवपुरी

पूरे देश के साथ-साथ जिलेभर में कॉमर्शियल गैस सिलेण्डर की सप्लाई पूरी तरह से बंद है। इसके बावजूद मुरैना शहर में चाय-नाश्ता बेचने वाले होटल-हाथ ठेला संचालक गो-गैस नामक प्राइवेट कंपनी के कॉमर्शियल गैस सिलेण्डरों का उपयोग कर रहे हैं। एसडीएम भूपेन्द्र सिंह कुशवाह ने बाजार में छापामार कार्रवाई कर 10 कॉमर्शियल और चार घरेलू गैस सिलेण्डर जब्त किए गए।

गो-गैस कंपनी एक प्राइवेट कंपनी है जो 13.5 किलोग्राम के कॉमर्शियल सिलेण्डर उपलब्ध कराती है। चूंकि सरकार के निर्देश पर अभी कॉमर्शियल गैस सिलेंडर एजेंसियों को दिए ही नहीं जा रहे, ऐसे में मुरैना में गो-गैस के कॉमर्शियल सिलेण्डर मिलना चिंता की बात है। प्रशासनिक

जब्त किए गए व्यावसायिक गैस सिलेण्डर।

अधिकारियों को आशंका है कि बाजार में गो-गैस के नाम से जिन कॉमर्शियल गैस सिलेण्डरों का उपयोग हो रहा है वह घरेलू गैस सिलेण्डर से रिफिल किए जा रहे हैं जबकि शहर की जनता एक-एक घरेलू गैस सिलेण्डर के लिए परेशान है। दुकानदारों के बयानों के आधार पर तय होगा कि यह सिलेण्डर उन्हें कहां से और कितने रुपए में उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

इंडेन गैस कंपनी के घरेलू सिलेण्डर जब्त

अंबाह। तहसीलदार एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी द्वारा चंबल कॉलोनी अंबाह के पास स्थित मुदगल बर्तन हाउस एवं दिनेश शर्मा के मकान से इंडेन गैस कंपनी के क्रमशः 10 और 20 कुल 30 घरेलू सिलेंडर जब्त किए गए। संबंधितों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अंतर्गत प्रकरण तैयार किए जा रहे है।

फैक्ट्री के सुरक्षा गार्ड को गोली मारने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

नगर संवाददाता, शिवपुरी

औद्योगिक क्षेत्र मालनपुर में संचालित क्रॉम्पटन (सीजी पावर) कंपनी में पिछले दिनों अज्ञात बदमाशों द्वारा सुरक्षा गार्ड को गोली मार दी गई थी। इस मामले में मालनपुर थाना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार फरियादी गोलू पुत्र रामचरण पाल उम्र 30 साल निवासी कुअरपुर थाना सिरसौद जिला शिवपुरी हाल गार्ड क्रोम्पटन फैक्ट्री मालनपुर ने मालनपुर थाने में शिकायत कराई थी कि 11 मार्च को रात्रि करीब दो बजे अज्ञात तीन व्यक्ति अपने मुंह बांध कर मोटरसाइकिल से आए और मैन गेट के बाहर बाइक खड़ी की। उनमें से दो व्यक्ति उतरकर गार्ड रूम की तरफ आए जबकि एक व्यक्ति बाइक पर बैठा रहा। अज्ञात व्यक्ति ने गार्ड रूम की खिड़की के बाहर से जान से मारने की नीयत से गार्ड रूम में कुर्सी पर

बैठे माजीद अली के गोली मारी जो माजीद उसके सिर में पीछे की तरफ लगी।

गोली लगने से माजीद अली कुर्सी से नीचे गिर गया। इसके बाद तीनों अज्ञात आरोपी बाइक से भाग गए। इस पर मालनपुर थाने में धारा 109(1), 3 (5) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था।

विवेचना के दौरान आरोपी अमन पुत्र राजेन्द्र सिंह राजावत, छोटू उर्फ सतेन्द्र पुत्र उपदेश सिंह भदौरिया, दीपेन्द्र पुत्र मोहकम सिंह भदौरिया, गोविंद पुत्र भोलाराम भदौरिया के नाम सामने आए। मालनपुर थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सोनी ने अलग-अलग टीमें बनाकर फरार आरोपियों की पतारसी हेतु संभावित स्थानों पर दबिश दी। दबिश के दौरान आरोपी अमन पुत्र राजेन्द्र सिंह राजावत, छोटू उर्फ सतेन्द्र पुत्र उपदेश सिंह भदौरिया को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जहां से दोनों को जेल भेजा गया है।

बदरवास में अवैध हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

- कार से रिवाल्वर व जिंदा कारतूस जब्त आरोपी का साथी फरार

नगर संवाददाता, शिवपुरी

जिले के बदरवास थाना क्षेत्र में पुलिस ने होटल-ढाबा चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में एक रिवाल्वर और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है जबकि आरोपी का साथी मौके से फरार हो गया।

यह घटना 29 मार्च की रात करीब 12 बजे की है। सिल्वर पार्क होटल के पास मैदान में चेकिंग के दौरान पुलिस को एक सफेद रंग की बोलेरो कार में दो संदिग्ध युवक दिखाई दिए। पुलिस वाहन को देखकर एक युवक मौके से भाग निकला जबकि दूसरे को पुलिस टीम ने घेराबंदी कर पकड़ लिया। पकड़े गए युवक ने पूछताछ में अपना नाम सुगन यादव 21 वर्ष निवासी पहाड़ा थाना तेन्दुआ जिला शिवपुरी बताया।

तलाशी के दौरान उसकी कार की ड्राइवर सीट के पीछे कपड़े में लिपटी एक देशी रिवाल्वर मिली। जिसमें एक जिंदा कारतूस भी लगा था। आरोपी सुगन यादव ने अपने फरार साथी का नाम आकाश गुर्जर निवासी बानमोर जिला मुरैना बताया। पुलिस ने आरोपी से लगभग 20 हजार रुपए कीमत की रिवाल्वर और कारतूस के साथ-साथ करीब आठ लाख रुपए कीमत की बोलेरो कार क्रमांक एमपी 07 जेडएस 2697 जब्त की है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से 19 वर्षीय युवक की मौत

कपड़े बेचने जा रहा था युवक

नगर संवाददाता, शिवपुरी

बदरवास थाना क्षेत्र में एनएच-46 पर बड़खेड़ा गांव के पास रविवार की रात सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। यहां ट्रैक्टर-ट्रॉली और बाइक की आमने-सामने की भिड़ंत में उत्तर प्रदेश निवासी 19 वर्षीय अमित बंजारा ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर घटना की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार अमित बंजारा उत्तर प्रदेश के औरैया जिले के अजीतमल थाना क्षेत्र के हुकुमपुर गांव का रहने वाला था। वह फेरी लगाकर कपड़े बेचने का काम करता था। रविवार रात करीब 10 बजे वह अपने साथियों के साथ बाइक से म्याना की ओर जा रहा था। बड़खेड़ा गांव के पास भूसा भरकर रॉन्ग साइड से आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से उसकी बाइक की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसे के बाद अमित को बदरवास स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। बदरवास थाना पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर ली है और मामले की जांच की जा रही है।

बैठक में संयुक्त संचालक ने अधिकारियों को दी सख्त हिदायत

बच्चों को सिर्फ तिलक लगाकर प्रवेश उत्सव की औपचारिकता न की जाए

नगर संवाददाता, शिवपुरी

स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देश अनुसार एक अप्रैल से नए शैक्षणिक क्षेत्र की शुरुआत की जा रही है। इसके लिए स्कूलों में विशेष तैयारी की जाए। स्कूलों में सिर्फ तिलक लगाकर बच्चों के प्रवेश उत्सव मनाने की औपचारिकता न की जाए बल्कि कोई नवाचार जैसे कि कोई विशेष उपहार के साथ बच्चों का स्वागत किया जाए। यह निर्देश लोक शिक्षण ग्वालियर के संयुक्त संचालक अरविंद सिंह ने सीएम राइज स्कूल शिवपुरी में आयोजित समीक्षा बैठक में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, बीआरसी एवं संकुल प्राचार्यों को दिए। बैठक में विद्यालयों में नामांकन, सीएम हेल्पलाइन, पाठ्य पुस्तक वितरण सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। इस मौके पर जिला शिक्षा अधिकारी विवेक श्रीवास्तव, संयुक्त संचालक कार्यालय की सहायक सांख्यिकी अधिकारी गौरी तिवारी, एडीपीसी स्वीटी मंगल, एडीपीसी राजाबाबू आर्य, बीईओ मनोज निगम, राहुल भार्गव सहित जिले के 32 संकुलों के प्राचार्य, सभी बीईओ एवं बीआरसी मौजूद थे।

विद्यालयों में नामांकन की स्थिति पर जताई नाराजगी

बैठक में संयुक्त संचालक अरविंद सिंह ने विद्यालयों में नामांकन की स्थिति पर नाराजगी जताते हुए कहा कि प्रदेश में नामांकन के मामले में शिवपुरी जिले की स्थिति अच्छी नहीं है जिसे सुधरा जाए।

बैठक में संयुक्त संचालक ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का निपटारा तत्काल करने के निर्देश देते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन के मामलों में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इन मामलों का एल-1 स्तर पर ही निराकरण किया जाए। संयुक्त संचालक ने बैठक में निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण, निःशुल्क साइकिल वितरण व अपार आईडी को लेकर भी संकुल प्राचार्यों की क्लास ली और निर्देश दिए कि अपार आईडी का काम जल्द पूरा किया जाए क्योंकि बगैर अपार आई के आगे चलकर कोई भी विद्यार्थी किसी भी तरह का परीक्षा संबंधी फॉर्म नहीं भर सकेगा।

सीएम हेल्पलाइन-अपार आईडी कार्य पर फोकस करें: डीईओ

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी विवेक श्रीवास्तव ने कहा कि संकुल प्राचार्य सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों को गंभीरता से लेकर त्वरित कार्रवाई करें। साथ ही जहां तक संभव हो, सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों का एल-1 स्तर पर ही निराकरण करें। उन्होंने अपार आईडी के कार्य को भी प्राथमिकता से लेने के निर्देश देते हुए कहा कि अपार आईडी एक ऐसा दस्तावेज है जो छात्र-छात्राओं को सभी तरह की प्रतियोगी व अन्य परीक्षाओं के लिए जरूरी है। इसलिए अपार आईडी के काम को जल्द से जल्द पूरा किया जाए।

संपादकीय

अब पूरे देश में यूसीसी-एक राष्ट्र, एक कानून की ....

गुजरात में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू होने के बाद स्वाभाविक ही यह सवाल तेज हो गया है कि क्या अब इसे पूरे देश में लागू कर देना चाहिए?

यह सवाल केवल कानून का नहीं, बल्कि भारत के सामाजिक ढांचे, विविधता और लोकतांत्रिक संतुलन की परीक्षा भी है। एक राष्ट्र, एक कानून का विचार आकर्षक जरूर है, लेकिन इसके रास्ते में कई संवेदनशील परतें भी मौजूद हैं।

यूसीसी का मूल उद्देश्य सभी नागरिकों को समान अधिकार देना है–चाहे वह विवाह हो, तलाक, उत्तराधिकार या संपत्ति का बंटवारा। आज भी अलग-अलग धर्मों के लिए अलग-अलग व्यक्तिगत कानून हैं, जिनमें कई बार महिलाओं और कमजोर वर्गों के साथ असमानता देखने को मिलती है। ऐसे में पूरे देश में एक समान कानून लागू करना सामाजिक न्याय की दिशा में बड़ा कदम माना जा सकता है। यह न केवल लैंगिक समानता को मजबूत करेगा, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया को भी सरल और अधिक पारदर्शी बनाएगा।

लेकिन सवाल यह है कि क्या भारत जैसे बहुलतावादी देश में इसे एक झटके में लागू करना संभव है? यहां हर राज्य, हर समुदाय और हर परंपरा की अपनी विशिष्ट पहचान है। अगर यूसीसी को बिना व्यापक संवाद और सहमति के लागू किया गया, तो यह सामाजिक तनाव का कारण भी बन सकता है। इसलिए इसे लागू करने की प्रक्रिया उतनी ही महत्वपूर्ण है, जितना कि उसका उद्देश्य।

गुजरात और उत्तराखंड जैसे राज्यों ने एक तरह से पायलट मॉडल प्रस्तुत किया है। अब जरूरत है कि इन राज्यों के अनुभवों का गहराई से अध्ययन किया जाए–क्या चुनौतियां आईं, लोगों की प्रतिक्रिया क्या रही, और किन सुधारों की आवश्यकता महसूस हुई। इन्हीं सीखों के आधार पर एक ऐसा राष्ट्रीय ढांचा तैयार किया जा सकता है, जो सभी वर्गों के लिए स्वीकार्य हो। पूरे देश में यूसीसी लागू करने के लिए केंद्र सरकार को चरणबद्ध रणनीति अपनानी होगी। सबसे पहले व्यापक जनसंवाद, फिर विधि आयोग और विशेषज्ञों की राय, और उसके बाद एक संतुलित मसौदा–यही रास्ता अधिक व्यावहारिक होगा। साथ ही, यह भी जरूरी है कि आदिवासी और पारंपरिक समुदायों की सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखने के लिए विशेष प्रावधान बनाए जाएं।

राजनीतिक इच्छाशक्ति इस दिशा में अहम भूमिका निभाएगी, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है सामाजिक विश्वास। यूसीसी को किसी एक वर्ग के खिलाफ या पक्ष में कदम के रूप में नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के अधिकारों की समान सुरक्षा के रूप में प्रस्तुत करना होगा।

अंततः, पूरे देश में यूसीसी लागू होना एक बड़े सामाजिक परिवर्तन की शुरुआत हो सकती है। यह भारत को एक अधिक समान और आधुनिक कानूनी ढांचे की ओर ले जाएगा। लेकिन यह तभी सफल होगा, जब इसे संवेदनशीलता, सहमति और संतुलन के साथ लागू किया जाए।

देश के लिए यह एक ऐतिहासिक अवसर है–जहां वह अपनी विविधता को बनाए रखते हुए समानता की नई परिभाषा गढ़ सकता है। अब देखना यह है कि यह विचार जल्दबाजी में निर्णय बनता है या समझदारी से तैयार किया गया राष्ट्रीय सहमति का मॉडल।

सुविचार

थोड़े दिन रहने वाली विपत्ति अच्छी है क्योंकि उसी से मित्र और शत्रु की पहचान होती है।

सेहत

सौंफ खाने के मुख्य स्वास्थ्य लाभ

सौंफ का सेवन पाचन में सुधार, गैस और ब्लोटिंग को कम करने, वजन घटाने और सांसों की बदबू दूर करने के लिए बेहद फायदेमंद है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट, फाइबर और खनिज होते हैं, जो मेटाबॉलिज्म तेज करते हैं, पेट की गर्मी शांत करते हैं, और कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित करने में भी मदद कर सकते हैं।

सौंफ में एनीथोल नाम का तत्व होता है जो एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीस्पास्मोडिक होता है। यह ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। साथ ही, इसमें मौजूद फाइबर, पोटैशियम और मैग्नीशियम भी हार्ट हेल्थ के लिए फायदेमंद हैं।

2. स्किन की समस्याओं में राहत

सौंफ का सेवन या इसका पानी त्वचा की जलन, रैशेज़, और मुंहासों को कम कर सकता है। इसके एंटीऑक्सीडेंट स्किन को हाइड्रेट रखने में मदद करते हैं।

3. ब्लड को शुद्ध करता है

सौंफ शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकालती है और ब्लड को डिटॉक्स करती है। यह ब्लड सर्कुलेशन बेहतर करती है और रेड ब्लड सेल्स तथा हीमोग्लोबिन के निर्माण में मदद करती है।

बेहतर पाचन

सौंफ खाने के बाद लेने से पेट की अम्लता कम होती है, कब्ज दूर होती है और पाचन एंजाइमों को उत्तेजित करके पाचन को दुरुस्त करती है।

वजन प्रबंधन- इसमें मौजूद फाइबर और एनेथोल भूख को नियंत्रित करते हैं और मेटाबॉलिज्म को तेज करते हैं, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

गैस और ब्लोटिंग से राहत- यह पेट की गैस और भारीपन को कम करने में असरदार है, जिससे पेट ठंडा रहता है।

माउथ फ्रेशनर- सौंफ में मौजूद एंटीबैक्टीरियल गुण मुंह की बदबू को दूर करते हैं और सांसों को तरोताजा रखते हैं।

आंखों की सेहत- सौंफ में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आंखों की थकान और जलन को कम करने में मदद कर सकते हैं।

पीरियड्स में दर्द से राहत- यह हार्मोनल संतुलन में मदद कर सकती है और मासिक धर्म के दौरान होने वाली ऐंठन को कम कर सकती है।

हृदय स्वास्थ्य और ब्लड प्रेशर- पोटेशियम से भरपूर होने के कारण, यह ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने और हृदय

सेवन का तरीका-

खाना खाने के बाद एक चम्मच कच्ची सौंफ चबाना सबसे आम तरीका है।

रात भर पानी में भीगी हुई सौंफ का पानी सुबह खाली पेट पीना फायदेमंद है।

सौंफ की चाय भी पी जा सकती है।

सावधानी-

प्रतिदिन 1-2 चम्मच (2-6 ग्राम) सौंफ का सेवन सुरक्षित माना जाता है। यदि आप गर्भवती हैं या किसी विशेष स्वास्थ्य स्थिति से गुजर रहे हैं, तो डॉक्टर की सलाह अवश्य लें।

ज्ञानवाणी

ज्ञान की चार बात

एक राजा के विशाल महल में एक सुंदर वाटिका थी, जिसमें अंगूरों की एक बेल लगी थी। वहां रोज एक चिड़िया आती और मीठे अंगूर चुन-चुनकर खा जाती और अधपके और खट्टे अंगूरों को नीचे गिरा देती।

माली ने चिड़िया को पकड़ने की बहुत कोशिश की पर वह हाथ नहीं आई। हताश होकर एक दिन माली ने राजा को यह बात बताई। यह सुनकर भानुप्रताप को आश्चर्य हुआ। उसने चिड़िया को सबक सिखाने की ठान ली और वाटिका में छिपकर बैठ गया।

जब चिड़िया अंगूर खाने आई तो राजा ने तेजी दिखाते हुए उसे पकड़ लिया। जब राजा चिड़िया को मारने लगा, तो चिड़िया ने कहा, हे राजन, मुझे मत मारो। मैं आपको ज्ञान की 4 महत्वपूर्ण बातें बताऊंगी।

राजा ने कहा, जल्दी बता।

चिड़िया बोली, हे राजन, सबसे पहले, तो हाथ में आए शत्रु को कभी मत छोड़ो।

राजा ने कहा, दूसरी बात बता।

चिड़िया ने कहा, असंभव बात पर भूलकर भी विश्वास मत करो और तीसरी बात यह है कि बीती बातों पर कभी पश्चाताप मत करो।

राजा ने कहा, अब चौथी बात भी जल्दी बता दो।

इस पर चिड़िया बोली, चौथी बात बड़ी गूढ़ और रहस्यमयी है। मुझे जरा ढीला छोड़ दें क्योंकि मेरा दम घुट रहा है। कुछ सांस लेकर ही बता सकूंगी।

चिड़िया की बात सुन जैसे ही राजा ने अपना हाथ ढीला किया, चिड़िया उड़कर एक डाल पर बैठ गई और बोली, मेरे पेट में दो हीरे हैं।

यह सुनकर राजा पश्चाताप में डूब गया। राजा की हालत देख चिड़िया बोली, हे राजन, ज्ञान की बात सुनने और पढ़ने से कुछ लाभ नहीं होता, उस पर अमल करने से होता है। आपने मेरी बात नहीं मानी।

मैं आपकी शत्रु थी, फिर भी आपने पकड़कर मुझे छोड़ दिया।

मैंने यह असंभव बात कही कि मेरे पेट में दो हीरे हैं फिर भी आपने उस पर भरोसा कर लिया।आपके हाथ में वे काल्पनिक हीरे नहीं आए, तो आप पछताने लगे। सारांश- उपदेशों को जीवन में उतारे बगैर उनका कोई मोल नहीं।

बंगाल में इस बार कांटे की टक्कर

डॉ. ओपी त्रिपाठी

पश्चिम बंगाल का विधानसभा चुनाव इस बार टीएमसी और भाजपा के बीच कांटे का मुकाबला है। सत्तारूढ़ तृणमूल सरकार के खिलाफ एंटी इनकंबेंसी फैक्टर चरम पर है। सरकार में भ्रष्टाचार और महिलाओं के खिलाफ अपराधों में वृद्धि जैसे कई मुद्दे हैं, जिनका टीएमसी के पास कोई जवाब नहीं है। इसके अलावा ममता बनर्जी को चारों मोर्चों पर लड़ाई लड़नी पड़ रही है। एक तरफ कांग्रेस है तो दूसरी ओर लेफ्ट। एक तरफ उसके खिलाफ मुस्लिम वोट बैंक का गठबंधन है और सबसे बड़े मोर्चे पर खुद बीजेपी। ऐसे हालात में पिछली बार की कामयाबी से आगे निकलकर भगवा दल इस बार पश्चिम बंगाल की सरजमीं पर अपना परचम लहराना चाहता है। बीजेपी के थिंक टैंक ने टीएमसी के वोट बैंक को तोड़ने के साथ ही 'एक्स फैक्टर' पर भी फोकस किया है। बंगाल में ये एक्स फैक्टर कोई और नहीं, लेफ्ट वोट बैंक है। ये लेफ्ट वोटर अपनी वैचारिक पार्टी के कमजोर होने के बाद से कन्फ्यूज हैं। कभी बंगाल की सत्ता में राज करने वाले ये लेफ्ट के कार्यकर्ता निष्क्रिय से पड़े हैं। बीजेपी की सोच इस वोट बैंक अपने पक्ष में सक्रिय करने की है। जमीन पर यह वामपंथी वोट बैंक भाजपा की तरफ मुड़ा तो, उसे बड़ा फायदा हो सकता है। दूसरी ओर ममता के मुस्लिम वोट बैंक में सेंध लगाने के लिए कबीर-ओवैसी का गठबंधन अपना काम कर ही रहा है।

एक तरफ कांग्रेस है तो दूसरी ओर लेफ्ट। एक तरफ उसके खिलाफ मुस्लिम वोट बैंक का गठबंधन है और सबसे बड़े मोर्चे पर खुद बीजेपी। ऐसे हालात में पिछली बार की कामयाबी से आगे निकलकर भगवा दल इस बार पश्चिम बंगाल की सरजमीं पर अपना परचम लहराना चाहता है। बीजेपी के थिंक टैंक ने टीएमसी के वोट बैंक को तोड़ने के साथ ही 'एक्स फैक्टर' पर भी फोकस किया है। बंगाल में ये एक्स फैक्टर कोई और नहीं, लेफ्ट वोट बैंक है। ये लेफ्ट वोटर अपनी वैचारिक पार्टी के कमजोर होने के बाद से कन्फ्यूज हैं। कभी बंगाल की सत्ता में राज करने वाले ये लेफ्ट के कार्यकर्ता निष्क्रिय से पड़े हैं। बीजेपी की सोच इस वोट बैंक अपने पक्ष में सक्रिय करने की है। जमीन पर यह वामपंथी वोट बैंक भाजपा की तरफ मुड़ा तो, उसे बड़ा फायदा हो सकता है।

बीजेपी थिंक टैंक ने ममता को उसके गढ़ में घेरने के लिए भवानीपुर विधानसभा में 'इस बार जय भवानी' का नारा देकर सुवेंदु अधिकारी को चुनाव मैदान में उतार दिया है। इसके साथ ही बीजेपी ने लेफ्ट के एक-एक छोटे कार्यकर्ता से संपर्क बनाना शुरू

कर दिया है। घर-घर लेफ्ट विचारधारा वाले परिवारों से मिलने का सिलसिला चल रहा है। पार्टी के रणनीतिकार मानकर चल रहे हैं कि अगर लेफ्ट के कार्यकर्ता और वोटर बिना शोर किए गए भाजपा को समर्थन देते हैं तो, यह एक्स फैक्टर साबित हो सकता है। लेफ्ट का यह वोट बैंक भाजपा को सत्ता तक पहुंचाने का दम रखता है। दरअसल कभी लेफ्ट ने पश्चिम बंगाल की सत्ता पर बरसों तक राज किया है। अब लेफ्ट के ऐसे कार्यकर्ता, जो पार्टी से असंतुष्ट या निराश हैं, वे राज्य की तरक्की के लिए मूड बदल सकते हैं। उन्हें पता है कि लेफ्ट जीतने की स्थिति में नहीं है, इसलिए वो अपना वोट जाया न करके भाजपा के पाले में आ सकते हैं।

बीजेपी की घर-घर संपर्क का अभियान कुछ असर दिखाने लगा है। ऐसे लेफ्ट के नेता, जो सक्रिय राजनीति से दूर चले गए हैं और अब बदले माहौल में कुछ अच्छा फील कर रहे हैं। इनकी पहचान कर भाजपा के कार्यकर्ताओं और बड़े नेताओं को इनसे मिलने के लिए भेजा जा रहा है। लेफ्ट के कार्यकर्ताओं को मोटिवेट कर भाजपा से जोड़कर पार्टी को वोट देने के लिए कहा जा रहा है। जनता के बीच चुनाव प्रचार तो चल ही रहा है, यह व्यक्ति केंद्रित संपर्क लेफ्ट वोट बैंक को साधने के लिए है।

पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने लेफ्ट विचारधारा को मानने वाले लोगों से अपील की है कि वे भले ही अपनी विचारधारा को मानते रहें, लेकिन राज्य के हित में भाजपा को वोट दीजिए। भाजपा के नेता नारा दे रहे हैं- दिल में रखिए विचारधारा, वोट लेकिन भाजपा को ही। भाजपा की कोशिश विपक्षी वोटों को जहां तक संभव हो, एकजुट करने की है।बंगाल में असल में जैसे-जैसे बंगाल में टीएमसी का कद बढ़ने लगा, लेफ्ट का पतन शुरू हो गया। बाद के चुनाव में 'लाल' वोटर 'भगवा' को मौन समर्थन देने लगे। हालांकि, संख्या कम थी लेकिन फायदा तो हुआ ही। 2014 लोकसभा चुनाव में लेफ्ट का वोट शेयर 30 प्रतिशत के करीब था, जो 2019 में आकर 8 प्रतिशत के करीब रह गया है। भाजपा का वोट शेयर बढ़कर 2019 लोकसभा चुनाव के समय 17 से 40 प्रतिशत पहुंच गया। पिछले विधानसभा चुनाव में हाल यह रहा कि लेफ्ट पार्टी खाता नहीं खोल सकी। वहीं, भाजपा ने टीएमसी को चुनौती देते हुए 77 सीटें निकाल लीं। इससे साफ है विपक्षी वोटर टीएमसी के सामने भाजपा को एक विकल्प के तौर पर देखकर इस पार पूरा गेम बदल सकते हैं। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर सियासी तकरार छिड़ी है, पक्ष विपक्ष एक दूसरे के ऊपर तंज कस रहे हैं। इसी बीच भाजपा ने अपनी नई लिस्ट में आरजी कर मेडिकल कॉलेज की पीड़िता की मां को टिकट दिया है। तीसरी लिस्ट में भाजपा ने 19 उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारा है। इसमें सबसे ज्यादा चौंकाने वाला नाम रत्ना देबनाथ का था। आरजी कर अस्पताल की उस ट्रेनी डॉक्टर की मां हैं, जिनके साथ दुष्कर्म और फिर हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया था। इस घटना से पूरे देश की सड़कों पर लोग प्रदर्शन कर रहे थे. इतना ही नहीं, ममता के इस्तीफे की भी मांग हो रही थी। पार्टी ने उत्तर 24 परगना जिले की अहम मानी जाने वाली पानीहाटी सीट से आरजी कर मेडिकल कॉलेज रेप-मर्डर केस की पीड़िता की मां को उम्मीदवार बनाकर भाजपा ने भावनात्मक और राजनीतिक दांव चला है। पश्चिम बंगाल में मुस्लिम आबादी लगभग 30 प्रतिशत मानी जाती है, जो राज्य की करीब 100 से अधिक विधानसभा सीटों पर सीधे तौर पर प्रभाव डालती है। मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर दिनाजपुर, दक्षिण 24 परगना और कुछ हद तक नदिया जैसे जिलों में यह प्रभाव और भी स्पष्ट दिखाई देता है। अब तक यह वोट बैंक काफी हद तक ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के साथ रहा है, जिसने खुद को अल्पसंख्यकों के भरोसेमंद राजनीतिक विकल्प के रूप में स्थापित किया।

लेकिन मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद का निर्माण करा रहे हुमायूं कबीर को इसी बात पर पार्टी से निकालकर ममता ने अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारी है और अपने वोट बैंक को नाराज कर लिया है। हुमायूं कबीर अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर पश्चिम बंगाल में मस्जिद बनवा रहे हैं, जिसका नाम भी उन्होंने बाबरी मस्जिद ही रखा है।

घर के अदृश्य संविधान में स्त्री का संशोधन

कृति आरके जैन

सुबह की रसोई में उबलती चाय की भाप के साथ एक और चीज़ उठ रही है–खामोश विद्रोह। यह विद्रोह दरवाज़े पटककर नहीं, बल्कि दरवाज़े धीरे से बंद करके होता है। महिलाएँ अब घर छोड़ नहीं रहीं, नौकरी छोड़ नहीं रहीं, पर ÷सब कुछ संभालने÷ की अदृश्य जिम्मेदारी से पीछे हट रही हैं। इसे ही घर से 'क्वाइट क्विटिंग' कहा जा रहा है। यह लापरवाही नहीं, आत्मरक्षा है; असंवेदनशीलता नहीं, संतुलन की माँग है। दशकों से घर की दीवारों में कैद वह मानसिक बोझ, जिसे कर्तव्य कहकर सामान्य बना दिया गया था, अब प्रश्नों के कटघरे में है। यह नई लहर बिना नारों के, बिना मंचों के, सीधे रसोई और बैठक के बीच जन्म ले रही है।

'क्वाइट क्विटिंग' शब्द कार्यस्थल से आया, पर घर के भीतर इसका अर्थ कहीं अधिक गहरा है। दफ्तर में कर्मचारी अतिरिक्त काम छोड़ता है, यहाँ महिला अतिरिक्त भावनात्मक और संज्ञानात्मक श्रम छोड़ रही है। मेंटल लोड वह अदृश्य सूची है जो उसके दिमाग में हर समय चलती रहती है–बच्चों की परियोजना, सास की दवा, पति की मीटिंग, त्योहार की तैयारी, रिश्तों की मरम्मत। समय उपयोग सर्वेक्षण 2024 के आँकड़े बताते हैं कि भारतीय महिलाएँ प्रतिदिन पुरुषों से कई घंटे अधिक अवैतनिक श्रम करती हैं। महिलाएँ रोजाना 289 मिनट अनपेड घरेलू कामों पर और 137 मिनट देखभाल पर खर्च करती हैं जबकि पुरुष केवल 88 और 75 मिनट। यह सिर्फ समय नहीं, ऊर्जा और पहचान की कीमत भी है। यही असमानता अब प्रतिरोध को जन्म दे रही है। महामारी ने इस असंतुलन को निर्वस्त्र कर दिया। घर ही दफ्तर बना, दफ्तर ही घर, और महिला दोनों की प्रबंधक। लैपटॉप की स्क्रीन के पीछे वह मीटिंग में थी, और कैमरे के बाहर रसोई में। इसी दौर में सोशल मीडिया ने वैश्विक संवाद खोला। हजारों भारतीय महिलाएँ लिखने लगीं कि वे 'परफेक्ट' होने की दौड़ से बाहर निकलना चाहती हैं। नई पीढ़ी की मिलेनियल और जेन-ज़ेड महिलाएँ अपनी माताओं की थकान को विरासत नहीं बनाना चाहतीं। वे समझ चुकी हैं कि त्याग का अनंत महिमामंडन असल में असमानता को स्थायी बनाता है। इसलिए यह बदलाव भावनात्मक जागरण से उपजा है।

व्यवहार में यह विद्रोह बेहद सूक्ष्म है। महिला चाय बनाएगी, पर सबके दिमाग का अलार्म नहीं बनेगी। वह याद दिलाना बंद कर देगी, आयोजन का बोझ साझा कर देगी, हर निर्णय की धुरी बनने से इंकार कर देगी। शुरुआत में परिवार चौंकता है, कभी नाराज़ भी होता है। ÷तुम बदल गई हो÷ जैसे वाक्य तीर की तरह आते हैं। पर धीरे-धीरे घर के अन्य सदस्य भी जिम्मेदारी का स्वाद चखते हैं। बच्चे खुद अपना बैग तैयार करने लगते हैं, पति दवाइयों की सूची संभालने लगता है। यह बदलाव टकराव से नहीं, अभ्यास से आता है, और यहीं इसकी शक्ति छिपी है। इस खामोश क्रांति के सामाजिक प्रभाव दूरगामी हैं। परिवार की शक्ति-संरचना बदल रही है। पुरुष पहली बार समझ रहे हैं कि घर चलाना केवल शारीरिक श्रम नहीं, निरंतर मानसिक योजना भी है। बच्चों में आत्मनिर्भरता बढ़ रही है क्योंकि माँ हर समस्या का तत्काल समाधान नहीं दे रही। महिलाओं का मानसिक स्वास्थ्य सुधर रहा है; चिंता और थकान में कमी दिख रही है। जब वे हर समय 'ऑन' नहीं रहतीं, तब उनकी रचनात्मकता और पेशेवर दक्षता भी बढ़ती है। यह विद्रोह रिश्तों को तोड़ने नहीं, उन्हें अधिक न्यायपूर्ण बनाने की दिशा में है। फिर भी यह राह बिल्कुल सरल नहीं। समाज अब भी आदर्श पत्नी और त्यागमयी माँ के पुराने साँचे से बाहर सोचने को सहज नहीं है। अपराधबोध सबसे बड़ी दीवार बनकर खड़ा हो जाता है–क्या मैं स्वार्थी बन रही हूँ? रिश्तेदारों के सवाल, पड़ोस की फुसफुसाहट और परिवार की अनकही अपेक्षाएँ मिलकर भारी दबाव रचती हैं। अनेक महिलाएँ खुली घोषणा नहीं करतीं, बल्कि चुपचाप अपनी भूमिका की सीमाएँ तय करने लगती हैं। यह अनकहा विद्रोह है, जिसे इतिहास शायद सुर्खियों में दर्ज न करे, पर घरों की फिज़ा बदलने की क्षमता रखता है। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी चेताते हैं कि समय पर संतुलन न साधा जाए तो थकान और टूटन अवश्यंभावी है।

आने वाले वर्षों में यह लहर और स्पष्ट होगी। नीतिगत स्तर पर पितृत्व अवकाश, घरेलू श्रम की स्वीकृति और कार्य-जीवन संतुलन पर बहसें गंभीर होंगी। पर असली बदलाव तब आएगा, जब हर घर में काम और भावनात्मक श्रम बराबरी से बाँटे जाएँगे। पुरुषों को भी संवेदनशीलता और जिम्मेदार योजना की आदत विकसित करनी होगी। घर साझेदारी का जीवंत स्थान बनेगा, एकतरफा सेवा का मंच नहीं। जब जिम्मेदारियाँ न्यायपूर्ण ढंग से साझा होंगी, तब प्रेम भी संतुलित और सम्मानपूर्ण होगा। यह क्रांति नकारात्मक नहीं, रिश्तों को स्वस्थ बनाने की सतत प्रक्रिया है, जो धीरे-धीरे संस्कृति की दिशा बदल देगी।

घर से 'क्वाइट क्विटिंग' प्रतिशोध की पुकार नहीं, आत्मसम्मान की सशक्त व्याकरण है। महिलाएँ स्पष्ट कर रही हैं कि वे घर की केंद्रबिंदु तो रहेंगी, पर अकेली आधारशिला नहीं। वे रिश्ते निभाएँगी, मगर अपनी अस्मिता की कीमत पर नहीं। जब मेंटल लोड बराबरी से बाँटा जाएगा, तभी घर का सुकून भी समान रूप से खिलेगा। यह मौन परिवर्तन आने वाले दशक में भारतीय परिवार की परिभाषा पुनर्लिख सकता है। अब समय है कि हम इस बदलाव को समझें, स्वीकारें और सक्रिय समर्थन दें। क्योंकि घर की चौखट पर जन्मी बराबरी ही समाज की असली प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती है।

अहिंसा कोई नारा या पंथ नहीं, जीवन का आधार है

डॉ. प्रगति जैन

तकनीक ने मनुष्य के हाथों में अद्भुत शक्ति दे दी है, पर क्या उसने उसके हृदय को भी उतना ही संवेदनशील बनाया है? आज सुविधाएँ बढ़ी हैं, साधन बढ़े हैं, दुनिया सिमटकर स्क्रीन पर आ गई है, लेकिन मनुष्य के भीतर अशांति, असहिष्णुता और कटुता भी बढ़ी है। ऐसे समय में भगवान महावीर का संदेश हमें याद दिलाता है कि जीवन को सुखी और शांत बनाने की बुनियादी शर्त आज भी वही है–अहिंसा। सच तो यह है कि अहिंसा कोई नारा नहीं, जीवन का आधार है।

एक छोटी-सी घटना इस सत्य को बहुत सहजता से समझा देती है। एक विद्यालय में मध्यांतर के समय बच्चे खेल रहे थे। तभी मैदान के एक कोने में एक घायल चिड़िया दिखाई दी। कुछ बच्चे उसे घेरकर खड़े हो गए। कोई उसे कौतूहल से देख रहा था, कोई छेड़ रहा था, और कोई उसकी असहायता पर हँस रहा था। तभी एक बच्ची आगे बढ़ी। उसने चिड़िया को धीरे से उठाया, उसे पानी पिलाया और शिक्षिका के पास ले गई। शिक्षिका ने उसके सिर पर हाथ फेरते हुए कहा, ÷आज तुमने पढ़ाई से बड़ी बात सीखी है–दूसरे के दर्द को समझना।÷ यही अहिंसा का सच्चा स्वरूप है। यह उपदेशों से नहीं, व्यवहार से प्रकट होती है; यह शब्दों से नहीं, संवेदना से पहचानी जाती है।

भगवान महावीर ने अहिंसा को धर्म का सर्वोच्च सिद्धांत बताया। पर उनकी अहिंसा केवल शारीरिक हिंसा से बचने का संदेश नहीं थी। उन्होंने मन, वचन और कर्म, तीनों स्तरों पर अहिंसा का पालन करने की बात कही। इसका अर्थ है कि हिंसा केवल किसी को चोट पहुँचाने में नहीं, बल्कि किसी को अपमानित करने, कटु वचन बोलने, ईर्ष्या रखने, घृणा फैलाने और किसी के दुख के प्रति असंवेदनशील बने रहने में भी होती है। इस दृष्टि से देखें तो आज का समाज अनेक सूक्ष्म हिंसाओं से घिरा हुआ है।

आज हिंसा के रूप बदल गए हैं। अब केवल हथियार ही नहीं, शब्द भी घाव देते हैं। सोशल मीडिया की कटुता, पारिवारिक संबंधों में बढ़ती दूरी, सार्वजनिक जीवन में असहिष्णुता, छोटी-छोटी बातों पर उग्र प्रतिक्रिया और दूसरों को नीचा दिखाने की प्रवृत्ति,ये सब हिंसा के आधुनिक रूप हैं। मनुष्य की भाषा कठोर हुई है, दृष्टि संकीर्ण हुई है और धैर्य कम हुआ है। ऐसे समय में महावीर का संदेश केवल धार्मिक स्मरण का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक आवश्यकता बन जाता है।

अहिंसा का अर्थ कायरता नहीं है। यह पलायन नहीं, बल्कि आत्मबल का सर्वोच्च रूप है। क्रोध करना आसान है, प्रतिशोध लेना सहज है, कठोर भाषा बोल देना सामान्य है; किंतु धैर्य रखना, क्षमा करना, संयम से उत्तर देना और करुणा को बचाए रखना सच्चे साहस का कार्य है। जो स्वयं पर विजय पा ले, वही वास्तविक अर्थों में विजेता है। महावीर स्वामी ने इसी आत्मविजय का मार्ग दिखाया था। हम अपने दैनिक जीवन में भी अहिंसा को सहज रूप से अपना सकते हैं। परिवार में मधुर वाणी का प्रयोग, बच्चों के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार, बुजुर्गों के प्रति धैर्य, कार्यस्थल पर सम्मानजनक संवाद, मतभेद के बीच भी संयम, पशु-पक्षियों और प्रकृति के प्रति दया, ये सब अहिंसा के ही रूप हैं। समाज में शांति किसी कानून से नहीं आती; वह मनुष्य के संस्कारों, संवेदनाओं और व्यवहार से पैदा होती है। जब व्यक्ति बदलता है, तभी परिवार बदलता है; परिवार बदलता है तो समाज बदलता है।

भव्य शोभायात्रा, प्रभात फेरी और धार्मिक कार्यक्रमों में उमड़ा जनसैलाब

धूमधाम से मनाया गया भगवान महावीर का 2626वां जन्म कल्याणक महोत्सव

महावीर के सिद्धांतों को अपनाने का दिया संदेश, विधायक एवं पूर्व विधायक ने उतारी श्रीजी की आरती

नर्मदापुरम (नि.प्र.)

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का 2626वां जन्म कल्याणक महोत्सव नगर सिलवानी में अखण्ड दिगंबर जैन समाज द्वारा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें समाजजनों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रमों के माध्यम से भगवान महावीर के अहिंसा, सत्य और त्याग के सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए उन्हें जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया गया। मुनि प्रयोग सागर महाराज के ससंघ सानिध्य में दोपहर के समय पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर से एक भव्य चल समारोह (शोभायात्रा) निकाला गया। यह शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों जैन चैत्यालय, होली चौक, आजाद मार्केट, गांधी चौक, कुशवाहा धर्मशाला रोड होते हुए त्रिमूर्ति जिनालय पहुंची, जहां आरती का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसके बाद यात्रा बजरंग चौराहा, पुराना बस स्टैंड और अंबेडकर वार्ड से होते हुए पुनः प्रारंभिक स्थल पर पहुंचकर संपन्न हुई।

चल समारोह की विशेष आकर्षण चांदी जड़ित विमान में विराजित भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा रही, जिसे समाजजन श्रद्धा के साथ कंधों पर उठाकर जयकारों के बीच लेकर चल रहे थे। त्रिशला महिला मंडल की महिलाओं द्वारा मंगल भजनों का गायन किया गया, जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा। शोभायात्रा मार्ग को रंगोली और तोरण द्वारों से सजाया गया था, वहीं विभिन्न स्थानों पर प्रतिमा की आरती उतारी गई। शोभायात्रा में कीर्तन मंडल के सदस्य ढोलक और हारमोनियम की मधुर धुन पर भजनों का गायन करते हुए चल रहे थे। इस दौरान भगवान महावीर स्वामी के जन्म, तप और मोक्ष कल्याणक से संबंधित आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की गईं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। साथ ही चंदनपुर के महावीर की विशेष झांकी भी आकर्षण का केंद्र रही। युवा एवं बालिकाएं पंचरंगी ध्वज लहराते हुए शोभायात्रा में शामिल हुईं। शोभायात्रा में अश्वों को भी शामिल किया गया जिन पर सवार युवा धर्म ध्वज थामे हुए थे। महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर सुबह प्रभात फेरी निकाली गई, जिसमें समाजजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दोपहर में वाहन रैली का आयोजन भी किया गया। इसके अतिरिक्त नगर के श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर एवं त्रिमूर्ति जिनालय में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

श्रीफल भेंटकर प्राप्त किया आशीर्वाद

इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक देवेंद्र पटेल एवं पूर्व विधायक रामपाल सिंह राजपूत भी शोभायात्रा में शामिल हुए। उन्होंने मुनि प्रयोग सागर महाराज को ससंघ श्रीफल भेंटकर आशीर्वाद प्राप्त किया और भगवान महावीर स्वामी की आरती उतारी। महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव ने पूरे नगर को धर्म, आस्था और सामाजिक एकता के रंग में रंगा देखा गया। कार्यक्रम के समापन पर पारसनाथ दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष जय कुमार जैन (जय भैया) एवं महामंत्री अभिषेक सिंघई ने आयोजन में सहयोग देने वाले समाजजनों एवं प्रशासनिक अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

त्रिशला नंदन वीर की, जय बोलो महावीर की...नारों से गुंजायमान हुआ पूरा नगर

रजत विमान में विराजित श्रीजी की निकली शोभायात्रा

नर्मदापुरम (नि.प्र.)

नगर में सोमवार 30 मार्च को सत्य अहिंसा और अपरिग्रह के संदेशवाहक भगवान महावीर स्वामी का 2624 वां जन्म कल्याणक महोत्सव जैन समाज के द्वारा अपार हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर समूचा नगर महावीर स्वामी के जयकारों से गुंजायमान हो उठा।

इस दौरान प्रातः जैन समाज के द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई वहीं नगर के समस्त जैन मंदिरों पर ध्वजारोहण किया गया तत्पश्चात प्रातः 8 बजे से त्रिशला नन्दन को रजत विमान में विराजित कर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा जैन मंदिर जी से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए पुनः संत भवन पहुंची। शोभायात्रा का मार्ग में जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। समाज के लोगों सहित धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के द्वारा जगह-जगह श्रीजी की आरती उतारी और पूजन किया। जगह-जैसे रंगोली बनाई गई और शोभायात्रा का स्वागत किया। शोभा यात्रा समापन के पश्चात मंदिर में श्रीजी का अभिषेक, विशेष पूजन और शान्ति धारा के कार्यक्रम संपन्न हुए। जैन धर्मावलंबियों ने विश्व शांति और लोक कल्याण की मंगल कामना की। इस संबंध में समाज के वरिष्ठ राजेंद्र जैन ने भगवान महावीर जयंती के संबंध में बताते हुए कहा कि महावीर स्वामी ने अहिंसा को सर्वोच्च धर्म बताया है। यह अहिंसा केवल शारीरिक हिंसा तक सीमित नहीं है, बल्कि मन, वचन और कर्म से किसी को कष्ट न देने का संदेश देती है। आज के समय में बढ़ती असहिष्णुता, क्रोध और वैमनस्य के बीच यह सिद्धांत अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है। यदि व्यक्ति अपने व्यवहार में करुणा और सहानुभूति को अपनाए, तो पारिवारिक और सामाजिक जीवन में शांति और संतुलन स्थापित हो सकता है।

उन्होंने कहा कि महावीर स्वामी के अनुसार सत्य केवल बोलने तक सीमित नहीं, बल्कि उसे जीवन में उतारना आवश्यक है। वर्तमान में जहां दिखावा और असत्य का प्रभाव बढ़ता जा रहा है, वहां सत्य का पालन व्यक्ति को आंतरिक शक्ति प्रदान करता है। सत्यनिष्ठ व्यक्ति समाज में विश्वास का केंद्र बनता है और उसका जीवन अधिक स्पष्ट और संतुलित रहता है। संयम का तात्पर्य केवल इंद्रियों पर नियंत्रण नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में संतुलन बनाए रखना है। महावीर स्वामी ने ब्रह्मचर्य और अनुशासन को आत्मविकास का आधार माना। आज के समय में जब व्यक्ति त्वरित सुख के पीछे भागता है, तब संयम उसे धैर्य और विवेक के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने बताया कि आज के उपभोक्तावादी युग में व्यक्ति अधिक पाने की दौड़ में संतोष को खोता जा रहा है। महावीर स्वामी का यह सिद्धांत सिखाता है कि सीमित संसाधनों में संतुष्ट रहना ही सच्ची समृद्धि है। यह न केवल मानसिक शांति देता है, बल्कि प्रकृति के संतुलन दो बनाए रखने में भी सहायक होता है। महावीर स्वामी का अनेकांतवाद यह सिखाता है कि सत्य एकांगी नहीं होता, बल्कि उसे विभिन्न दृष्टिकोणों से समझा जा सकता है। यह सिद्धांत समाज में सहिष्णुता और संवाद की भावना को बढ़ावा देता है। वर्तमान समय में जब मतभेद अक्सर विवाद का कारण बनते हैं, तब अनेकांतवाद परस्पर समझ और सामंजस्य स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वहीं सायंकालीन कार्यक्रम में पाठशाला के बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम और महाआरती का आयोजन किया गया। महावीर जयंती के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जैन समाज के अध्यक्ष आशीष जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती मनाने के लिए बैठक का किया आयोजन

नर्मदापुरम (नि.प्र.)

डॉ. बीआर. अम्बेडकर की जयंती को भव्य रूप से मनाने के लिए सभी प्रबुद्धजनों और पदाधिकारियों द्वारा जो रूपरेखा तैयार की गई है, वह समाज में एकता और जागरूकता लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। बैठक की अध्यक्षता यूएस अहिरवार (क.शा. प्राचार्य) ने की, बैठक में प्रमुख रूप से वीएस माण्डरे, जीएल अहिरवार , सीएल बम्होरया , टीपी चौधरी प्राचार्य, पार्षद रणधीर चौधरी, आरडी अहिरवार शिक्षक, वरिष्ठ पत्रकार मंगल चौधरी, दीपू चौधरी, मुंशीलाल, गिरधारी लाल, हेमंत चौधरी, अर्जुन चौधरी अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य 14 अप्रैल को बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती को भव्यता के साथ मनाने की रूपरेखा तैयार करना थी, जिसमें जयंती को और भी भव्य बनाने के लिए सुझाव रखे गये। यदि कार्यक्रम की रूपरेखा अभी भी चर्चा के अधीन है, तो आप इन बिंदुओं पर विचार कर सकते हैं।

शिक्षा रत्न सम्मान : क्षेत्र के उन मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित करना जिन्होंने शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया हो। विचार संगोष्ठी- आज के समय में बाबा साहब के विचारों की प्रासंगिकता विषय पर एक लघु व्याख्यान। **डिजिटल प्रचार-** जयंती के कार्यक्रमों को सोशल मीडिया के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना। शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो के मूल मंत्र को सार्थक करती इस बैठक की सफलता की कामना की गई।

बिजली के खंभे से निकली चिंगारी से खेत में लगी आग

नर्मदापुरम (नि.प्र.) लाखनखेड़ा गांव में सोमवार को बिजली के खंभे से निकली चिंगारी एक किसान के लिए आफत बन गई। शॉर्ट सर्किट की वजह से गेहूं के खेत में भीषण आग लग गई जिससे करीब तीन एकड़ की खड़ी फसल जलकर राख हो गई। हादसा किसान केएन भट्ट के खेत में हुआ। बताया जा रहा है कि खेत से गुजरने वाले बिजली के तारों और ट्रांसफार्मर में अचानक स्पार्किंग हुई जिसकी चिंगारी सूखी फसल पर जा गिरी। देखते ही देखते आग बढ़ गई। आग की लपटें उठती देख ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे। किसान हनू राजपूत और अन्य ग्रामीणों ने ट्रैक्टर-पंजा चलाकर आग को आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश की। सूचना मिलते ही बीना नगर पालिका की फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंच गई। फायरकर्मी महेश और उनकी टीम ने मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में बिजली के ढीले तारों और पुराने ट्रांसफार्मर की वजह से अक्सर शॉर्ट सर्किट होते रहते हैं जो किसानों की मेहनत पर पानी फेर रहे हैं। इस आगजनी में किसान के 25 एकड़ खेत में से 3 एकड़ में लगी फसल आग में जलकर बर्बाद हो गई है। पीड़ित ने प्रशासन से उचित मुआवजे की गुहार लगाई है।

मानिक लाल नाहर हायर सेकंडरी स्कूल के बच्चों ने 5 वीं, 8 वीं बोर्ड परीक्षा में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

नर्मदापुरम (नि.प्र.)

नगर की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था मानिक लाल नाहर हायर सेकंडरी के बच्चों ने 5 वीं और 8वीं बोर्ड परीक्षा में अनुकरणीय प्रदर्शन करके विद्यालय परिवार का नाम गौरान्वित किया। कक्षा 8वीं का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत तथा कक्षा 5 वीं का लगभग 100 प्रतिशत रहा, जो नगर के कक्षा 8 वीं के अशासकीय विद्यालयों में सर्वश्रेष्ठ है। अजरा खानम सुपुत्री मतलूब खान ने विद्यालय में प्रथम 90.3 तथा रिया धाकड़ सुपुत्री रामेश्वर धाकड़ ने 89.3 प्रतिशत के साथ द्वितीय और अलायना सुपुत्री मोहम्मद अलीन ने 88.8 प्रतिशत के साथ तृतीय तथा सुनैना अग्रवाल सुपुत्री चिंकू अग्रवाल ने 85.8 प्रतिशत के साथ चतुर्थ स्थान तथा आयुष साहू सुपुत्र कालूराम साहू ने 84. 6 प्रतिशत के साथ पंचम स्थान प्राप्त किया।

इसी प्रकार कक्षा 5वीं की परीक्षा में कुमारी सुहानी धाकड़ सुपुत्री शिवचरण धाकड़ ने 84.51 के साथ प्रथम तथा फातिमा बी सुपुत्री अशफाक अली ने 84 प्रतिशत के साथ द्वितीय तथा अलिकता मनसूरी सुपुत्री मोहम्मद आशिक मनसूरी ने 80.75 प्रतिशत के साथ तृतीय तथा आदिल अली सुपुत्र मुस्ताक अली ने 76.5 प्रतिशत के साथ चतुर्थ तथा वेदिका ठाकुर सुपुत्री जय सिंह ठाकुर ने 75.25 प्रतिशत के साथ पंचम स्थान प्राप्त किया है। विद्यालय के प्रबंधन ने एमपी बोर्ड कक्षा 5वीं और 8वीं की बोर्ड परीक्षा में विद्यालय के उल्लेखनीय परीक्षा परीणाम के साथ ही अधिकांश बच्चों के प्रथम श्रेणी में करते हुए विद्यालय उत्तीर्ण होने पर संतोष व्यक्त किया है। सभी विद्यार्थियों और समर्पित शिक्षकों की टीम को मानिकलाल परिवार की तरफ से हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी तथा भविष्य में और अधिक निष्ठा और लगन के साथ शिक्षण - अधिगम प्रक्रिया को उद्देश्यपूर्ण बनाने का आह्वान किया। इसके साथ ही उन्होंने अभिभावकों को उनके सहयोग और समय-समय पर गरिमामयी उपस्थिति और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद व आभार व्यक्त किया। स्कूल के प्राचार्य अरुणेश कुमार मिश्रा एवं संस्था के संचालक अर्चना नाहर, संरक्षक अजय नाहर एवं सभी शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा छात्र -छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य के लिए बधाई प्रेषित की।

अनुष्ठान भव्य रूप से सजी मां की बगिया, निकला आकर्षक चल समारोह, पूर्णिमा तक चलेगा आयोजन

जवारे रखकर भक्ति भाव से हो रही मां की उपासना

नर्मदापुरम (नि.प्र.)

अंचल में नवरात्र पर्व के दौरान जवारे रखकर मां भगवती की उपासना करने की प्राचीन परंपरा रही है, जो पूर्णिमा तक श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ निभाई जाती है। कई स्थानों पर नवरात्र के प्रथम दिन से लेकर तीन-चार दिनों तक ज्वारे रखने का क्रम चलता है और जिस दिन जवारे रखे जाते हैं, उसी क्रम में उनका विसर्जन भी किया जाता है। इस प्रकार पूरे नौ दिनों तक माँ की आराधना का वातावरण बना रहता है।

इसी क्रम में बरेली के समीप स्थित खरगोन कस्बे में बमरेले परिवार द्वारा मां करूणा सागर की उपासना जवारे रखकर श्रद्धा भाव से की जा रही है। परिवार द्वारा मां की बगिया को अत्यंत भव्य एवं आकर्षक रूप से सजाया गया है, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस आयोजन की एक विशेषता यह भी है कि परिवार की बहू द्वारा माँ की सुंदर एवं दिव्य प्रतिमा का निर्माण स्वयं घर पर ही किया गया है। यह प्रतिमा अपनी भव्यता और सौंदर्य के कारण दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। बमरेले परिवार की इस भक्ति भावना की सराहना खरगोन सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में की जा रही है, और बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। पूरे अनुष्ठान का संचालन पंडित विभाकर गुरुजी द्वारा वैदिक विधि-विधान के साथ किया जा रहा है। प्रतिदिन होने वाली भव्य आरती में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है।

भक्तों से सम्मान पधारने का किया गया आग्रह

मां की विदाई के अवसर पर बमरेले परिवार द्वारा भव्य तैयारियां की गई हैं। श्रीराम बमरेले, राजू बमरेले एवं धीरज बमरेले ने जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार दोपहर कस्बा खरगोन में भव्य एवं आकर्षक चल समारोह निकाला गया। इसके पश्चात खेड़ापति माता मंदिर में विधिवत पूजन कर ज्वारों को मां को अर्पित किया जाएगा और तत्पश्चात मँ नर्मदा में उनका विसर्जन किया जाएगा। परिवार द्वारा समस्त क्षेत्रवासियों से इस भव्य एवं धार्मिक आयोजन में ससम्मान पधारने का आग्रह किया गया है।

बिजली दर में हुई बढ़ोत्तरी के विरोध में कांग्रेस का हस्ताक्षर अभियान शुरू

नर्मदापुरम (नि.प्र.)

बीना नगर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार द्वारा बढ़ाई गई बिजली दरों, स्मार्ट मीटर व्यवस्था और फि क्स चार्ज के विरोध में सोमवार से हस्ताक्षर अभियान शुरू किया है। यह अभियान गांधी चौराहा से प्रारंभ किया गया। इसका शुभारंभ मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव प्रभु सिंह ठाकुर ने किया। अभियान के तहत संकलित ज्ञापन 31 मार्च को शाम 5 बजे अंबेडकर प्रतिमा पर एकत्रित होकर एसडीएम बीना के माध्यम से राज्यपाल को सौंपा जाएगा। ज्ञापन सौंपने की यह कार्रवाई जिला अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी सागर ग्रामीण भूपेंद्र सिंह मुहासा, पूर्व मंत्री प्रभु सिंह ठाकुर और विधानसभा प्रभारी मनोज कपूर के निर्देशन में संपन्न होगी। इस पूरे अभियान को गति देने, जनता तक मुद्दे को पहुंचाने और संगठनात्मक रूप से मजबूत करने में महेंद्र कुमार नवैया तथा महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष एडवोकेट उमा महेंद्र नवैया और उनकी टीम ने विशेष सहयोग प्रदान किया है। अभियान में प्रमुख रूप से देवेंद्र कुशवाहा, अशोक परिहार, विक्रांत गोलंदाज, दयाचंद चौधरी, मीना अहिरवार, विनीता अहिरवार, मोतीलाल मसाब, सुरेश सेन, अशोक अहिरवार, रमेश मुरैना, शशि मोहन तिवारी, सुरेश तिवारी, शिवानी अहिरवार, जन्नू लाल राय, ओमप्रकाश पंजाबी, सुरेश तिवारी, आदेश समैया, बलराम अहिरवार, ओमप्रकाश ताम्रकार, हरि नारायण कुशवाहा आदि शामिल रहे।

बरेली मंडी भाव

बरेली (आरएनएन)। गेहूं-2191-2552, चना-4800-5500, तिबड़ा-1270-3309, तुअर -5905-8120, सरसों -5805-6301, बटरी-निल, मसूर-निल, मूंग-5705-8101, धान(पूसा)-3700-4211, धान (1886)-निल।

बच्चों की जुकाम-खांसी से पेट दर्द तक में फौरन राहत देंगे दादी मां के असरदार नुस्खे

बच्चों को सर्दी-खांसी, जुकाम, पेट में दर्द जैसी समस्याएं अक्सर होती हैं। इसके लिए आजकल की मां दवाई या डॉक्टर की फौरन सलाह ले लेती हैं। पहले के जमाने में इन चीजों के लिए दादी-नानी के नुस्खे काफी असरदार होते थे।

आजकल हम हर छोटी-बड़ी चीजों के लिए बच्चों को फौरन दवाई दे देते हैं, फिर चाहे उन्हें सर्दी-खांसी हो या पेट में दर्द। पहले के जमाने में दादी-नानी बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए कई तरह के घरेलू नुस्खे अपनाया करती थीं, जो आप भी कारगर साबित होते हैं। इन नुस्खों के बारे में आजकल की मॉडर्न मॉम को कम पता है लेकिन हर मां को ये जानना जरूरी है। छोटी-बड़ी चीज के लिए बच्चे को दवाई देना उनकी सेहत के लिए भी बुरा है और इम्यूनिटी पर भी इसका बुरा असर पड़ता है। अगर आपके घर में छोटा बच्चा है, तो दादी के ये 4 पुराने और असरदार नुस्खे जरूर ट्राई करें। इन नुस्खों की मदद से बच्चे की सर्दी-खांसी से लेकर पेट दर्द तक में फौरन आराम आ जाएगा। चलिए आपको इनके बारे में पूरी जानकारी देते हैं।

दादी मां के 4 असरदार नुस्खे-

1- जुकाम-खांसी के लिए तेल

अगर बच्चे को जुकाम-खांसी लगातार बनी रहती है और इससे जकड़न हो गई है, तो सरसों का तेल फायदा करेगा। आपको करना ये है कि सरसों का तेल कढ़ाही में लें और उसमें लहसुन, अजवायन, मेथी दाना डालकर गर्म करें। अब इस तेल को ठंडा करें और किसी शीशी में रख लें। रात में सोने से पहले इस तेल को गुनगुना करें और बच्चे की छाती, पैर के तलवे, हथेलियों पर रगड़ें। ऐसा करने से बच्चे की जकड़न खत्म होगी और जुकाम से रात में नाक नहीं बंद होगी।

2- जायफल वाला नुस्खा

जायफल किचन का मसाला है, जिसका इस्तेमाल सब्जी का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। दादी मां के नुस्खों के मुताबिक, जायफल का यूज आप बच्चे को हो रहे लगातार जुकाम से राहत दिलाने के लिए भी कर सकती हैं। आपको जायफल को किसी पत्थर या लकड़ी पर 1-2 बूंद पानी के साथ घिसना है। घिसने पर जायफल का अर्क निकल आएगा और उसे आप चम्मच में रख लें। मां के दूध के साथ जायफल के इस पेस्ट को मिक्स करें और बच्चे को चटा दें। बच्चे को लगातार हो रहा जुकाम खत्म हो जाएगा। इसकी तासीर गर्म होती है और ये सर्दी-खांसी में राहत दिलाता है। ध्यान रखें कि गर्मी में जायफल ज्यादा नहीं देना है और सर्दी में इसे हफ्ते में दो बार दे सकते हैं।

3- पेट दर्द के लिए हींग

छोटे बच्चों को अक्सर पेट में दर्द या फिर गैस की समस्या रहती है। इसकी वजह से बच्चे रोते रहते हैं और कई बार मां का दूध भी नहीं पीते। ऐसी सिचुएशन में अक्सर मां या घर के बड़े समझ नहीं पाते कि आखिर बच्चे को हुआ क्या है। अगर बच्चा दूध नहीं पी रहा है और रोए जा रहा है, उसका पेट फूला लग रहा है। तो आपको दादी मां का हींग वाला नुस्खा अपनाना है। हींग को गुनगुने पानी में घोल लें और बच्चे की नाभि के किनारे लगा दें। हींग से पेट दर्द और गैस में फौरन राहत मिलती है।

4- डकार के लिए

दादी मां के अनुसार बच्चे के दूध पिलाने के बाद डकार दिलाना बेहद जरूरी होता है, वरना बच्चा रोता है। कई बार बच्चे दूध भी पलटने लगते हैं। दादी मां ने इसके लिए तरीका बताया है कि बच्चे को सीधा लेटा दें, उसके पैर को साइकिल की पोजिशन में चलाएं। इसके अलावा कंधे पर लेटाकर थपकी दें। वैसे तो अजवायन पाउडर को पानी में घोलकर भी पिलाया जाता है लेकिन ये तब दें जब नॉर्मल तरीकों से डकार न आ रही हो। अगर बच्चा ज्यादा रो रहा है, तो डॉक्टर से संपर्क करें।

क्या पपीते के पत्तों का जूस बुखार में देता है राहत?

बुखार होने पर शरीर कमजोर हो जाता है और जल्दी ठीक होने के लिए लोग कई घरेलू उपाय अपनाते हैं। इन्हीं में से एक है पपीते के पत्तों का जूस जिसे प्राचीन समय से एक असरदार नुस्खा माना जाता रहा है। खासकर डेंगू जैसे बुखार में यह उपाय काफी चर्चा में रहता है। माना जाता है कि इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने और प्लेटलेट्स को सपोर्ट करने में मदद कर सकते हैं। हालांकि, यह जरूरी है कि इसे चमत्कारी इलाज समझने के बजाय एक सहायक उपाय के रूप में ही लिया जाए। सही मात्रा और सही जानकारी के साथ इसका सेवन करने पर यह बुखार के दौरान शरीर को बेहतर तरीके से रिकवर करने में मदद कर सकता है।

कैसे बनाया जाता है यह जूस?

पपीते के ताजे पत्तों को अच्छे से धो लें। इसके बाद इन्हें पीसकर इसका रस निकाल लें। इस जूस को छानकर थोड़ी मात्रा में पिया जाता है। ध्यान रखें कि इसका स्वाद कड़वा होता है, इसलिए इसे कम मात्रा में ही लेना चाहिए।

इसके संभावित फायदे

प्लेटलेट्स बढ़ाने में मदद : कई लोग मानते हैं कि पपीते के पत्तों का जूस प्लेटलेट्स बढ़ाने में मदद कर सकता है, जो डेंगू के दौरान कम हो जाते हैं।

इम्युनिटी को सपोर्ट : इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद कर सकते हैं।

कमजोरी दूर करने में सहायक : बुखार के दौरान शरीर कमजोर हो जाता है। यह जूस शरीर को थोड़ा एनर्जी देने में मदद कर सकता है।

शरीर को डिटॉक्स करने में मदद : यह शरीर से टॉक्सिन्स निकालने में सहायक माना जाता है, जिससे शरीर जल्दी रिकवर करता है।

क्या यह सच में चमत्कारी है?

हालांकि यह नुस्खा बहुत लोकप्रिय है, लेकिन इसे 'चमत्कारी इलाज' मानना सही नहीं है। यह एक सहायक उपाय हो सकता है, लेकिन बुखार का सही इलाज डॉक्टर की सलाह से ही होना चाहिए।

किन बातों का रखें ध्यान?

इसे ज्यादा मात्रा में ना लें, गर्भवती महिलाएं इसे लेने से पहले डॉक्टर से सलाह लें, बच्चों को देने से पहले सावधानी बरतें और अगर एलर्जी हो, तो तुरंत बंद करें।

डॉक्टर की सलाह क्यों जरूरी है?

अगर बुखार लंबे समय तक बना रहे या ज्यादा बढ़ जाए, तो इसे नजरअंदाज ना करें। घरेलू नुस्खे केवल हल्की समस्या में ही मदद करते हैं। सही इलाज के लिए डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है।

नोट : पपीते के पत्तों का जूस एक पुराना और लोकप्रिय घरेलू नुस्खा है, जो बुखार में सहायक हो सकता है। लेकिन इसे सही मात्रा और सही जानकारी के साथ ही अपनाना चाहिए। हमेशा याद रखें कि स्वास्थ्य के मामले में डॉक्टर की सलाह सबसे जरूरी होती है।

लहसुन-प्याज वाला दूध देगा अपच में राहत!

गर्म दूध में लहसुन और प्याज मिलाने का यह अजीब सा नुस्खा पाचन के लिए फायदेमंद माना जाता है। यह देसी उपाय पेट की समस्याओं को कम करने और गट हेल्थ सुधारने में मदद कर सकता है।

घरेलू नुस्खों की दुनिया में कई ऐसे उपाय होते हैं, जो सुनने में अजीब लगते हैं लेकिन उनके फायदे चौंकाने वाले हो सकते हैं। गर्म दूध में लहसुन और प्याज मिलाने का यह नुस्खा भी कुछ ऐसा ही है, जिसे कई पारंपरिक तरीकों में पाचन सुधारने के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है।

आजकल खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान की वजह से लोगों को गैस, ब्लोटिंग और अपच जैसी समस्याएं होने लगी हैं। ऐसे में यह आसान और नेचुरल उपाय गट हेल्थ को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। लहसुन और प्याज में मौजूद पोषक तत्व आंतों के लिए फायदेमंद माने जाते हैं, जबकि गर्म दूध शरीर को आराम देने का काम करता है। सही तरीके से इसका सेवन करने पर यह पाचन को सपोर्ट कर सकता है।

कैसे तैयार करें यह नुस्खा?

इस उपाय को बनाने के लिए एक कप गर्म दूध लें। उसमें एक पतली स्लाइस लहसुन की और एक स्लाइस प्याज की डालें। इसे करीब 10 मिनट तक ढककर रख दें, ताकि दोनों के गुण दूध में अच्छे से मिल जाएं। इसके बाद इसे छानकर धीरे-धीरे पिएं।

लहसुन के फायदे : लहसुन में सल्फर कंपाउंड्स पाए जाते हैं, जो गट हेल्थ के लिए फायदेमंद माने जाते हैं। यह पाचन को बेहतर बनाने और पेट में मौजूद खराब बैक्टीरिया को कम करने में मदद कर सकता है।

प्याज है जरूरी : प्याज में प्रीबायोटिक फाइबर होते हैं, जो अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं। यह आंतों को स्वस्थ रखने में मदद करता है और पाचन प्रक्रिया को बेहतर बनाता है।

दूध का रोल : गर्म दूध शरीर को आराम देता है और पेट को शांत करता है। यह मिश्रण को पीने में थोड़ा स्मूद बनाता है और कुछ लोगों के लिए यह आरामदायक भी महसूस होता है।

पाचन में कैसे करता है मदद?

लहसुन, प्याज और दूध का यह कॉम्बिनेशन गट बैलेंस को सुधारने में मदद कर सकता है। यह ब्लोटिंग (पेट फूलना) को कम करने और पाचन को बेहतर बनाने में सहायक हो सकता है।

किन लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए?

अगर आपको लहसुन या प्याज से एलर्जी है, तो इस नुस्खे को अपनाने से बचें। कुछ लोगों को दूध से भी दिक्कत हो सकती है, इसलिए इसे लेने से पहले अपने शरीर की जरूरत को समझें।

क्या यह नुस्खा हर किसी के लिए सही है?

यह नुस्खा हर किसी के लिए जरूरी नहीं है। कुछ लोगों को इसका स्वाद पसंद नहीं आएगा या उनके शरीर पर इसका अलग असर हो सकता है। इसलिए इसे सीमित मात्रा में ही आजमाएं।

सूखी खांसी में मलाई-इलायची से पाएं राहत

मौसम में बदलाव आते ही सूखी खांसी की समस्या बहुत आम हो जाती है। गले में खुजली, जलन और बार-बार खांसने से दिनचर्या भी प्रभावित होने लगती है। ऐसे में लोग तुरंत दवाइयों की ओर रुख करते हैं, लेकिन कई बार आसान घरेलू नुस्खे भी उतने ही असरदार साबित होते हैं। दादी-नानी के समय से चला आ रहा मलाई और इलायची का यह नुस्खा आज भी काफी लोकप्रिय है। यह ना केवल गले के सूखेपन को कम करता है, बल्कि अंदर से आराम भी देता है। मलाई गले को मुलायम बनाती है, जबकि इलायची अपने एंटी-बैक्टीरियल गुणों से राहत पहुंचाती है। सही तरीके से इसका सेवन करने पर सूखी खांसी में जल्दी आराम मिल सकता है।

मलाई के फायदे

मलाई में नेचुरल फैट होता है, जो गले के सूखापन को कम करता है। यह गले को कोटिंग देकर उसे मुलायम बनाती है। इससे खांसी के दौरान होने वाली जलन और दर्द में राहत मिलती है। खासकर सूखी खांसी में यह बहुत फायदेमंद माना जाता है।

इलायची क्यों है जरूरी?

इलायची में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं। यह गले की इंफेक्शन को कम करने में मदद करती है। साथ ही इसकी खुशबू और स्वाद गले को ताजगी देते हैं और सांस को भी बेहतर बनाते हैं।

कैसे करें इस्तेमाल?

इस नुस्खे को बनाने के लिए एक चम्मच ताजी मलाई लें और उसमें चुटकी भर इलायची पाउडर मिलाएं। इसे अच्छे से मिक्स करके धीरे-धीरे खाएं। बेहतर असर के लिए इसे रात में सोने से पहले लें, ताकि यह गले में लंबे समय तक असर करे।

कब और कितनी बार लें?

आप इसे दिन में 1-2 बार ले सकते हैं। खासकर रात में लेने से ज्यादा फायदा मिलता है क्योंकि उस समय गले को आराम करने का मौका मिलता है। लगातार 2-3 दिन इस्तेमाल करने से खांसी में आराम महसूस हो सकता है।

किन लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए?

अगर आपको दूध या डेयरी प्रोडक्ट से एलर्जी है, तो इस नुस्खे को अपनाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें। छोटे बच्चों को देने से पहले भी सावधानी रखें।

क्यों अपनाएं घरेलू नुस्खे?

दादी-नानी के नुस्खे प्राकृतिक होते हैं और इनका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। ये आसानी से घर में उपलब्ध चीजों से बन जाते हैं और शरीर को बिना नुकसान पहुंचाए फायदा देते हैं।

जरूरी सलाह! अगर खांसी लंबे समय तक बनी रहती है या ज्यादा बढ़ जाती है, तो डॉक्टर से जरूर संपर्क करें। घरेलू नुस्खे हल्की समस्या में ही ज्यादा असर करते हैं।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप

प्रीति पवार और दीपक ने जीते शुरुआती दौर के मुकाबले

प्रीति पंवार ने 5-0 से हासिल की एकतरफा जीत

उलानबटार (मंगोलिया)।

भारत की प्रीति पंवार और दीपक ने सोमवार को एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2026 में अपने-अपने शुरुआती दौर के मुकाबले जीत लिए हैं।आज यहां महिलाओं की 54 किग्रा भार वर्ग में, विश्व बॉक्सिंग कप फाइनल की गोल्ड मेडलिस्ट प्रीति पंवार ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए कज़ाकिस्तान की पूर्व एशियाई अंडर-22 चैंपियन एलिना बाजारोवा को 5-0 के एकतरफा फैसले से हराया।पुरुषों की 70 किग्रा वर्ग में, एशियाई यूथ बॉक्सिंग चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता दीपक ने अपनी सूझबूझ और मज़बूती का प्रदर्शन करते हुए उज्बेकिस्तान के खावासबेक असादुल्लायेव को 3-2 के विभाजित फैसले से हराया।इस बीच, ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75किग्रा) और पूर्व विश्व चैंपियन निकहत जरीन (51 किग्रा) को अपने-अपने शुरुआती दौर में च्बायज (सीधा प्रवेश) मिला।जैस्मीन लंबोरिया (57किग्रा), अंकुशिता बोरो (65किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) और अल्फ़िया पठान (80 प्लास किग्रा) को भी पहले दौर में बाय मिला।दूसरी ओर, विश्व चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा (48किग्रा) मंगलवार को अपने शुरुआती मुकाबले में जापान की यूका सादामत्सु का सामना करेंगी, जबकि ओलंपियन पूजा रानी (80 किग्रा) कजाकिस्तान की नादेज़दा यार्बेट्स से भिड़ेंगी।पुरुषों के ड्रॉ में, अंकुश (80 किग्रा) और नरेंद्र बेरवाल (90 प्लास किग्रा) को च्बायज मिला, जबकि जादुमणि सिंह 55 किग्रा वर्ग के एक कड़े मुकाबले में जापान के शीर्ष वरीयता प्राप्त (टॉप सीड) रुई यामागुची का सामना करेंगे।सचिन सिवाच (60 किग्रा) स्थानीय पसंदीदा मुक्केबाज बुयांदलाई बायारखू से भिड़ेंगे, जबकि आदित्य प्रताप यादव (65 किग्रा) सऊदी अरब के मुक्केबाज मौदा अलहवसावा का सामना करने के लिए तैयार हैं।

हांगकांग के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय फुटबॉल टीम

नयी दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम आज मंगलवार को कोच्चि के जवाहरलाल नेहरू इंटरनेशनल स्टेडियम में हांगकांग की मेजबानी करते हुए अपने एएफसी एशियन कप 2027 क्वालिफायर अभियान का जीत के साथ अंत करना चाहेगी। एशियन कप क्वालिफायर में भारत बनाम हांगकांग मैच शाम 7:00 बजे शुरू होगा।यह 10 साल में पहली बार होगा जब कोच्चि का जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम भारतीय सीनियर राष्ट्रीय टीम के लिए किसी फुटबॉल मैच की मेजबानी करेगा।पिछली बार भारत ने कोच्चि के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 2016 फीफा विश्व कप क्वालिफायर में तुर्कमेनिस्तान के खिलाफ खेला था।हांगकांग चीन के खिलाफ मुकाबले में उतरते समय भारत ग्रुप सी में सबसे नीचे है; उसने पांच मैचों में सिर्फ दो अंक हासिल किए हैं और वह एएफसी एशियन कप 2027 के लिए क्वालिफाई करने की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुका है। ब्लू टाइगर्स अपने ग्रुप में एकमात्र ऐसी टीम भी है जिसने अपने एएफसी एशियन कप 2027 अभियान में अभी तक एक भी मैच नहीं जीता है।मुख्य कोच खालिद जमील ने शुरुआत में हांगकांग चीन के खिलाफ मैच के लिए 23 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की थी।सुनील छेत्री, जो भारत के क्वालिफिकेशन अभियान को मजबूत करने के लिए बांग्लादेश के खिलाफ पिछले एएफसी एशियन कप क्वालिफायर मुकाबले के दौरान संन्यास से वापस लौटे थे, उन्हें 23 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया है।ऑस्ट्रेलिया में जन्मे फॉरवर्ड रयान विलियम्स टीम में शामिल किए जाने के बाद भारत के लिए अपना डेब्यू कर सकते हैं।इस स्ट्राइकर ने हाल ही में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए अपने जन्म-देश की नागरिकता छोड़ दी थी और फीफा ने उन्हें टीम का प्रतिनिधित्व करने की मंज़ूरी दे दी है।

जिरी लेहेका को हराकर यानिक सिनर ने जीता मियामी ओपन का खिताब

फ्लोरिडा (अमेरिका)

30 मार्च (वार्ता) यानिक सिनर ने जिरि लेहेका को 6- 4, 6- 4 से हराकर मियामी ओपन पुरूष एकल खिताब अपने नाम कर लिया है।इस जीत के साथ ही सिनर पहले ऐसे खिलाड़ी बन गये है जिन्होंने 'सनशाइन डबल' पूरा किया।उन्होंने कैलिफ़ोर्निया में इंडियन वेल्स और फ़्लोरिडा के हार्ड कोर्ट पर बिना कोई सेट हारे दोनों ट्रॉफियां जीती हैं।इटली के सिनर ने वर्षा बाधित मियामी फाइनल में चेक गणराज्य के 21वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी जिरी लेहेका पर सिनर की 6-4, 6-4 की शानदार जीत ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि वह और अल्काराज बाकी खिलाड़ियों से कितने आगे हैं।दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी सिनर ने अब मास्टर्स टूर्नामेंट में लगातार 34 सेट जीते हैं।इसके साथ ही वह नोवाक जोकोविच और राफेल नडाल के साथ उन चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने ग्रैंड स्लैम के बाद के स्तर के टूर्नामेंट में लगातार तीन खिताब जीते हैं।

खिताब जीतने के बाद सिनर ने कहा, यह मेरे लिए एक शानदार दौर रहा है और मैं इस मुकाम तक पहुंचने के लिए हमने जो मेहनत की है, उससे मैं बेहद खुश हूं।इंडियन वेल्स से पहले हमने अभ्यास के लिए कुछ अच्छे दिन बिताए थे।इस तरह के नतीजे देखकर मुझे बहुत खुशी होती है, और साथ ही जिस स्तर का खेल हम दिखाने की कोशिश कर रहे हैं और जिस तरह का खिलाड़ी हम बनने की कोशिश कर रहे हैं, उसे देखकर भी मुझे खुशी होती है।

वेस्टइंडीज पर धीमी ओवर-रेट के लिए लगा जुर्माना

दुबई। वेस्टइंडीज की महिला टीम पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुक्रवार को सेंट किट्स में खेले गये पहले महिला एकदिवसीय मैच के दौरान धीमी ओवर-रेट के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज ने इस गलती को स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित सजा मान ली, इसलिए किसी औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।यह सजा अमीरात आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ़ मैच रेफरी के रियोन किंग ने तब दी, जब समय भत्ते को ध्यान में रखते हुए मेजबान टीम को निर्धारित लक्ष्य से दो ओवर पीछे पाया गया।मैदानी अंपायर लॉरेन एगेनबैग और कैंडिस ला बोर्डे, तीसरे अंपायर जैकलीन विलियम्स और चौथे अंपायर मारिया एबॉट ने यह आरोप लगाया था। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने 103 रनों से जीत हासिल की, जिसका श्रेय मेहमान टीम के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन को जाता है। रविवार को दूसरा एकदिवसीय 90 रनों से जीतने के बाद, ऑस्ट्रेलिया अब तीन मैचों की सीरीज़ में 2-0 की अजेय बढ़त बनाए हुए है।

रोहित ने पहले ही मैच में 550 छक्के पूरे किये, कई रिकार्ड भी अपने नाम किये

मुम्बई। मुम्बई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने आईपीएल 2026 सत्र के पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान ही अपने 550 छक्के लगा दिये। इस दौरान रोहित ने कई अन्य रिकार्ड भी बनाये। रोहित ने केवल 23 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। ये उनके आईपीएल करियर का सबसे तेज अर्धशतक भी रहा है। उन्होंने यह अर्धशतक पावरप्ले के अंदर ही पूरा कर लिया। इस पारी में तीन छक्के लगाते ही रोहित ने टी20 क्रिकेट में अपने 550 छक्के भी पूरे किये। इसके साथ ही वह टी20 में 500 से ज्यादाछक्के लगाने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी व विश्व के 9वें खिलाड़ी बन गये हैं। इस पारी के दौरान ही रोहित ने केकेआर के खिलाफ अपने 1100 रन पूरे कर लिए। इसी के साथ ही केकेआर के खिलाफ सबसे अधिक रन बनाने वाले मुम्बई के खिलाड़ी बन गये हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने केकेआर के कप्तान रहाणे के बयान पर जतायी नाराजगी

सिडनी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने आईपीएल में खेल रहे ऑलरांडर कैमरुन ग्रीन के गेंदबाजी नहीं करने के मामले को लेकर कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के कप्तान आजिंक्य रहाणे पर निशाना साधा है। सीए का कहना है कि रहाणे झूठ बोल रहे हैं। साथ ही कहा है कि नीलामी के समय ही ये बात बता दी गयी थी कि ग्रीन पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण आईपीएल में शुरुआती दो सप्ताह तक गेंदबाजी नहीं कर सकेंगे। ये मामला तब उठा जब मुम्बई इंडियंस के खिलाफ पहले ही मैच में केकेआर की गेंदबाजी अच्छी नहीं होने के बाद भी ग्रीन ने एक भी ओवर नहीं किया जबकि केकेआर ने 25 करोड़ 20 लाख रुपये की बोली लगाकर ग्रीन को खरीदा था। ऐसे में ग्रीन को गेंदबाजी न देने से कई लोगों ने सवाल किये जिसपर रहाणे ने कहा कि ये बात वे सीए से ही पूछें। रहाणे के इसी बयान को लेकर सीए ने नाराजगी जतायी है।

सीए का कहना है कि टेस्ट सत्र से उसे अपने केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों पर कामकाज के बोझ को कम करना होता है। यही कारण है कि ग्रीन को उसने आईपीएल में गेंदबाजी की अनुमति नहीं है पर ये बात केकेआर को पहले ही बता दी गयी थी।सीए के एक अधिकारीन ने कहा कि कैमरन को कमर के निचले हिस्से में चोट लगी है, जिसका इलाज चल रहा है। इसी कारण उन्हें कुछ समय के लिए गेंदबाजी से दूर रहना होगा। गौरतलब है कि केकेआर को आंद्रे रसेल का विकल्प चाहिए था और उसने इसी कारण ग्रीन को शामिल किया पर पहले ही मैच में वह असफल रहे और 10 गेंदों में 18 रन बही बना पाये। वहीं उन्होंने गेंदबाजी करने से इंकार दिया। वहीं मैच के बाद रहाणे ने उम्मीद जताई कि ग्रीन जल्द ही गेंदबाजी शुरू करेंगे और संयोजन थोड़ा अलग होगा।

सोना-चांदी के भाव में नरमी

नई दिल्ली। सोना और चांदी के वायदा भाव में सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को उतार-चढ़ाव के बीच नरमी देखने को मिली। घरेलू बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी दोनों की शुरुआत अलग-अलग रुख के साथ हुई, लेकिन बाद में दोनों धातुएं गिरावट के साथ कारोबार करती नजर आईं। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 405 रुपये की गिरावट के साथ 1,46,850 रुपये पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 1,47,255 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय सोना करीब 1,013 रुपये टूटकर 1,46,242 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। कारोबार के दौरान इसने 1,49,250 रुपये का उच्च स्तर और 1,44,212 रुपये का निचला स्तर छुआ। वहीं चांदी के मई वायदा कॉन्ट्रैक्ट की शुरुआत 152 रुपये की तेजी के साथ 2,28,106 रुपये पर हुई।

रुपया बढ़त के साथ बंद हुआ

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबला सोमवार को भारतीय रुपया 17 पैसे बढ़कर 94.68 रुपये पर बंद हुआ। रुपया शुरुआती कारोबार में अपने सर्वकालिक

निचले स्तर से 128 पैसे मजबूत होकर 93.57 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.62 पर खुला और फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.57 तक और मजबूत हुआ।

केंद्र का राजकोषीय घाटा फरवरी तक लक्ष्य के 80 प्रतिशत पर

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले 11 महीने में फरवरी 2026 तक पूरे वित्त वर्ष के लिए संशोधित अनुमान के 80 प्रतिशत को पार कर गया है।वित्त मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक केंद्र सरकार की कुल राजस्व प्राप्ति 27,91,943 करोड़ रुपये रही, जो संशोधित अनुमान का 82 प्रतिशत है।इस दौरान कुल व्यय 40,44,592 करोड़ रुपये रहा जो संशोधित अनुमान का 81.5 प्रतिशत है।इस प्रकार, राजकोषीय घाटा 12,52,649 करोड़ रुपये दर्ज किया गया।यह संशोधित अनुमान का 80.38 प्रतिशत है।सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में 15,68,936 करोड़ रुपये के राजकोषीय घाटे का अनुमान व्यक्त किया था जिसे बाद में संशोधित कर 15,58,492 करोड़ रुपये कर दिया गया।कुल प्राप्तियों में 21,45,223 करोड़ रुपये का कर राजस्व, 5,81,173 करोड़ रुपये का गैर-कर राजस्व और 65,547 करोड़ रुपये की गैर-ऋण पूंजीगत प्राप्तियां शामिल हैं।इस अवधि के दौरान केंद्र द्वारा राज्य सरकारों को करों के हिस्से के हस्तांतरण के तौर पर 12,66,369 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इस अवधि की तुलना में 85,837 करोड़ रुपये अधिक है।

अकासा के बेड़े में शामिल हुए दो और विमान

नयी दिल्ली। नवोदित विमान सेवा कंपनी अकासा एयर के बेड़े में दो और विमान शामिल हो गये हैं जिससे उसके पास अब कुल 37 विमान हो गये हैं।अकासा ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि 36वां विमान आज ही बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा हवाई अड्डे पर पहुंचा, जबकि 37वां विमान उसे सौंपा जा चुका है और इसके अप्रैल के पहले सप्ताह में भारत आने की उम्मीद है।दोनों बोइंग 737 मैक्स 8-200 विमान हैं। ये विमान अमेरिका से सीटल स्थित बोइंग संयंत्र से आ रहे हैं।ये विशेष रूप से अकासा के निर्देशों के अनुरूप बने हैं। इनमें साफ्रां जेड200 सीट, सीट के साथ यूएसबी पोर्ट और उड़ान के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए अन्य सुविधाओं का ध्यान रखा गया है।अगस्त 2022 में सेवा शुरू करने वाली एयरलाइंस ने बताया कि इस साल की पहली तिमाही में उसके बेड़े में छह नये विमान शामिल हुए हैं।

कंपनी ने कुल 226 बोइंग मैक्स विमानों का ऑर्डर दिया था जिनमें से शेष 189 की डिलीवरी अगले छह साल में होने की उम्मीद है। अकासा ने साल 2030 तक दुनिया की 30 शीर्ष विमान सेवा कंपनियों में शामिल होने का लक्ष्य रखा है।

खाद्य तेलों, दालों के दामों में घट-बढ़

नयी दिल्ली (वार्ता)

घरेलू थोक जिंस बाजारों में सोमवार को चावल की औसत कीमत बढ़ गयी।चावल के साथ गेहूं और चीनी में भी तेजी देखी गयी जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा।औसत दर्जे के चावल का औसत भाव चार रुपये बढ़कर 3854 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया।गेहूं 15 रुपये महंगा हुआ और 2,812 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया।आटे की कीमत गत दिवस के स्तर पर टिकी रही।दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव रहा।तुअर दाल की औसत कीमत 52 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी।

मसूर दाल 33 रुपये और चना दाल छह रुपये महंगी हुई।वहीं, मूंग दाल का भाव 13 रुपये और उड़द दाल का 12 रुपये प्रति क्विंटल टूट गया।विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जून का पाम ऑयल वायदा 141 रिंगिट चढ़कर 4,772 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया।मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.72 प्रतिशत की बढ़त के साथ 68.57 सेंट प्रति पौंड बोला गया।स्थानीय बाजारों में पाम ऑयल की औसत कीमत 32 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी।सरसों तेल 28 रुपये और वनस्पति 23 रुपये महंगा हुआ।सोया तेल में 30 रुपये और मूंगफली तेल में 16 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही।सूरजमुखी तेल की कीमत कमोबेश स्थिर रही।मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव लगभग अपरिवर्तित रहा।चीनी तीन रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद निवेशकों के 10 लाख करोड़ रुपए डूबे

सेंसेक्स 1635, निफ्टी 488 अंक गिरा

मुंबई। शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। वित्त वर्ष के अंतिम कारोबारी सत्र में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,635.67 अंक टूटकर 71,947.55 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 488.20 अंक नीचे आकर 2.14 22,331.40 पर बंद हुआ। बाजार में चारों ओर गिरावट रही। सभी सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस , निफ्टी प्राइवेट बैंक , निफ्टी रियल्टी), निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स , निफ्टी मीडिया और निफ्टी ऑटो की कमजोरी के साथ बंद हुआ। वहीं लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,447.80 अंक टूटकर 52,650 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 416.20 अंक नीचे आकर 15,203.80 पर था।

सेंसेक्स पैक में 30 में से केवल दो शेयर ही लाभ के साथ ऊपर आये। बजाज फाइनेंस, एसबीआई, इंडिगो, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, ट्रेंट, भारती एयरटेल, अल्ट्राटेक सीमेंट, एमएंडएम, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, सन फार्मा

और एशियन पेंट्स के शेयर गिरावट पर बंद हुए जबकि टेक महिंद्रा और पावर ग्रिड के शेयर ही लाभ पर बंद हुए। बीएसई पर आज सभी सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण करीब 10 लाख करोड़ रुपए कम होकर 412 लाख करोड़ रुपए हो गया है जबकि ये शुक्रवार को 422 लाख करोड़ रुपए था। इस प्रकार निवेशकों को 10 लाख करोड़ का नुकसान हुआ है। बाजार में गिरावट को कारण मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता हुआ तनाव है, जिससे भी निवेशक बाजार से दूरी बनाये हुए हैं।

कमजोर रही कारोबार की शुरुआत-इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। कारोबार के दौरान निफ्टी 50 करीब 0.70 फीसदी यानी लगभग 160 अंक गिरकर 22,659.60 पर ट्रेड करता दिखा। वहीं बीएसई सेंसेक्स भी 514 अंक टूटकर 73,069.21 के स्तर पर रहा। वैश्विक बाजारों से भी नकारात्मक संकेत मिले। कच्चे तेल के दामों में तेजी आई है, जहां ब्रेंट क्रूड 3 फीसदी से ज्यादा बढ़कर 114 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। मुख्य पूर्व में बढ़ते तनाव और सप्लाई को लेकर चिंता इसके प्रमुख कारण हैं। एशियाई बाजारों में भी भारी गिरावट रही। कोस्पी में 5 फीसदी से ज्यादा, निक्केई 225 में 4 फीसदी से अधिक और सीएसई 300 में भी कमजोरी देखी गई। अमेरिकी बाजार भी दबाव में बंद हुए, जहां एसएंडपी 500 और डाउ जोंस इंडस्ट्रीयल एवरेज में गिरावट दर्ज की गई।

शहर में आंधी-बारिश से कई स्थानों पर गिरे पेड़

भोपाल। राजधानी भोपाल में सोमवार को मौसम ने एक बार फिर करवट ली। शाम को बादल छाने के बाद चली हल्की आंधी-बारिश में कई स्थानों पर पेड़ गिर गए। मार्च में चौथी बार बदला मौसम इस महीने यह चौथा मौका है जब मौसम ने अचानक रुख बदला है। पहले भी आंधी-बारिश और ओलावृष्टि से 45 से ज्यादा जिलों में असर पड़ा था और फसलों को भारी नुकसान हुआ था।

कार्रवाई करने पहुंचे पीडब्ल्यूडी के अधिकारी, रहवासियों ने किया विरोध प्रदर्शन

लेबर कॉलोनी में 55 दुकानें और 38 मकान हटेंगे

- अधिकारी कार्रवाई किए बिना लौट आए बैरंग

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी के भेल क्षेत्र स्थित इंद्रपुरी-भवानीशाह क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण कार्य चल रहा है। योजना के तहत प्रशासन लेबर कॉलोनी की 55 दुकानों और 38 मकानों को हटानी है। इस कार्रवाई को अंजाम देने पीडब्ल्यूडी की टीम सोमवार को जेसीबी आदि लेकर पहुंची, लेकिन इस कार्रवाई का स्थानीय रहवासियों ने विरोध करते हुए तेज धूप में प्रदर्शन शुरू कर दिया। क्षेत्र की महिलाओं ने छोटे- छोटे बच्चों को लेकर सड़क पर उतरी। फिलहाल अधिकारी कार्रवाई किए बिना बैरंग लौट आए।

प्रदर्शन में महिलाएं हाथों में राशन कार्ड और पट्टे लेकर आई थी। सभी ने प्रशासन के फैसले का विरोध जताया। महिलाओं का कहना है कि यही उनके जीवन-यापन का एकमात्र सहारा है। यदि दुकानें हटाई गईं, तो उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा।

मिली जानकारी के अनुसार लोक निर्माण विभाग की टीम सड़क चौड़ीकरण के लिए मौके पर पहुंची और अतिक्रमण चिन्हित कर तोड़ने की प्रक्रिया शुरू करने जा रहे थे। जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग विरोध में उतर आए। निवासियों का कहना है कि करीब 15 साल पहले भी सड़क चौड़ीकरण हुआ था, लेकिन तब तो उन्हें नहीं हटाया गया। अब अचानक सख्त कार्रवाई क्यों की जा रही है? यह समझ से परे हैं।

पार्षद जीत भी पहुंचे लोगों के बीच

प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही क्षेत्रीय पार्षद जीत राजपूत ने भी मौके पर पहुंचे और लोगों का समर्थन करते हुए प्रशासन की कार्रवाई का विरोध किया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर वे जल्द ही कलेक्टर कौशलेंद्र सिंह से मुलाकात करेंगे। उधर अधिकारियों का कहना है कि सड़क चौड़ीकरण के चलते यह कार्रवाई जरूरी है। अधिकारियों ने माना कि इन लोगों के विस्थापन की कोई ठोस योजना बनी है या नहीं, को लेकर उनके पास कोई जानकारी नहीं है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव भोपाल में करेंगे राज्य स्तरीय अभियान का स्वागत

प्रदेश के 92 हजार स्कूलों में कल से 'स्कूल चलें हम' अभियान

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदेश में नवीन शिक्षण सत्र वर्ष 2026-27 के लिए कल एक अप्रैल से शुरू होगा। स्कूल शिक्षा विभाग इसे स्कूल चलें हम अभियान के रूप में मनाएगा। इसकी शुरुआत राज्य स्तरीय कार्यक्रम के साथ मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एक अप्रैल को सुबह 10.30 बजे करेंगे। अभियान 4 अप्रैल तक चलेगा।

राज्य शिक्षा केंद्र के प्रवक्ता अमिताभ अनुरागी ने बताया कि प्रदेश में प्रतिदिन शालाओं में कार्यक्रम होंगे। इस दौरान प्रदेश के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के नामांकन पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। प्रदेश में करीब 92 हजार सरकारी स्कूल है, जहां ये अभियान एक साथ शुरू होगा। इनमें प्रायमरी, मिडिल, हाई और हायर सेकेण्डरी स्कूल हैं। इन स्कूलों में लगभग 85 लाख बच्चे अध्ययनरत हैं। राज्य स्तरीय कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में होगा।

जिलों में शामिल होंगे

अनुरागी ने बताया कि प्रदेश में जिले के प्रभारी मंत्री जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम चयनित स्कूलों में होगा। कार्यक्रम में सांसद, विधायक एवं अन्य जन-प्रतिनिधि शामिल होंगे। छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क पाठ्य-पुस्तकें वितरित की जायेंगी। विभाग ने नये शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में ही विद्यार्थियों को पाठ्य-पुस्तकें मिल जाएं। इसके लिए प्रयास किया जा रहा है। ग्राम और बसाहट के शाला से बाहर रहे चिन्हित बच्चों का शाला में नामांकन किया जायेगा। वही बच्चों के अभिभावकों का भी शाला स्तर पर स्वागत किया जायेगा।

ये रहेगा कार्यक्रम

- दो अप्रैल को अभियान के तहत भविष्य से भेंट कार्यक्रम होगा। इसमें समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध, प्रबुद्ध और सम्मानित व्यक्तियों को एक प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेंट के लिये आमंत्रित किया जाएगा। जिला कलेक्टर को जिले के प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों को किसी एक शाला में जाकर एक कालखण्ड में बच्चों के साथ संवाद करने के लिये संवाद करने के भी निर्देश दिये गये हैं।
- तीन अप्रैल को सांस्कृतिक एवं खेल-कूद गतिविधियां आयोजित की जाएगी। इसका उद्देश्य पालकों का विद्यालय से जोड़ना है। इसी दिन पालकों को राज्य सरकार की स्कूल शिक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जायगी। बीते शैक्षणिक सत्र में जिन बच्चों की 85 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति रही है, उनके पालकों को सभा में सम्मानित किया जायेगा।
- 4 अप्रैल को अभियान के तहत हार के आगे जीत कार्यक्रम होगा। इसमें ऐसे छात्रों को चिन्हित किया जाएगा, जो किन्हीं वजहों से कक्षोन्नति प्राप्त करने में असफल हो गए हैं। पालकों को इन बच्चों की आगे की पढ़ाई के लिये समझाइश दी जायेगी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) संजीव झा, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजय श्रीवास्तव ने सोमवार को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में भोपाल जिले के ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया। सीईओ द्वारा भोपाल जिले में स्थित ईवीएम एवं वीवीपेट के निरीक्षण के बाद मशीनों के सुरक्षित संधारण एवं सुरक्षा के संबंध में रिपोर्ट भेजने के लिए भोपाल जिले के उप जिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता को निर्देशित किया। ईवीएम गोडाउन का निरीक्षण एक अनिवार्य त्रैमासिक प्रक्रिया है, जो जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में की जाती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नवीन आनंद जोशी द्वारा सुपर प्रिंटिंग प्रेस, 17 चौकी तलैया, भोपाल से मुद्रित एवं ई - 100 / 22, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। सम्पादक- **नवीन आनंद जोशी** , मुख्य कार्यकारी संपादक **श्रीमती रोमा मल्होत्रा** । समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।